www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:25 बजे
सूर्यास्त शाम 5:50 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

साल-1 अंक-134 पृष्ठ-8 मूल्य-5 रूपये शनिवार 18 जनवरी 2026 ● चंडीगढ़ ● पंजाब ● हरियाणा ● हिमाचल ● ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

देशभर में ठंड का असर: कश्मीर से गुजरात तक बदला नजारा....

कश्मीर में बर्फबारी का आनंद लेते हुए पर्यटक। 2 बर्फ की सफेद चादर में लिपटा लेह लद्दाख। 3. गुजरात में छाई घनी धुंध।

कम दृश्यता के चलते पंजाब में 6, यूपी में 5 लोगों की मौत

कम दृश्यता के चलते हाईवे और ग्रामीण सड़कों पर एक के बाद एक हादसे

समर न्यूज टीम | पंजाब

देश के कई राज्यों में घने कोहरे ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। पंजाब से लेकर उत्तर प्रदेश तक दृश्यता बेहद कम रहने के कारण एक के बाद एक भीषण सड़क हादसे सामने आए हैं। इन दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं।

बठिंडा हादसे में 5 की मौत

पंजाब के बठिंडा जिले में बठिंडा–बीकानेर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार सुबह घने कोहरे के कारण एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। गांव पथराला के पास गुजरात नंबर की एक फॉर्च्यूनर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में एक महिला कॉन्स्टेबल समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों के शवों को बठिंडा स्थित एम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतकों में चार युवक और एक युवती शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उनकी पहचान अर्जुन, सतीश, जनक, भारत और अमिता बान के रूप में हुई है। सभी गुजरात के बनासकांठा जिले के रहने वाले थे। एसपी सिटी नरिंदर सिंह ने बताया कि कार बठिंडा से डबवाली की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी युवक-युवती गुजरात से शिमला घूमने गए थे और बठिंडा में रुकने के बाद आगे की यात्रा पर निकले थे। घने कोहरे के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और कार डिवाइडर से जा टकराई। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

बठिंडा में हादसे का शिकार हुई फॉर्चयुनर कार।

अमृतसर-पठानकोट हाईवे पर बाइक सवार की मौत

पंजाब में एक अन्य हादसा अमृतसर–पठानकोट हाईवे पर कत्थूनंगल टोल प्लाजा के पास हुआ। यहां छोटे हाथी, टेंपू और बाइक की जबरदस्त टक्कर में बाइक सवार अमनप्रीत सिंह (36) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, टेंपू गलत दिशा से आ रहा था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर टेंपू चालक को हिरासत में ले लिया है।

गांवों में भी कोहरे से हादसे

मोगा जिले के गांव संगतपुरा में कोहरे के कारण फीड से लदा एक ट्रक ट्राला पुली के किनारे न होने से सुए में गिर गया। सौभाग्य से चालक सुरक्षित रहा और ट्राले में लदी फीड की बोरियां भी सुरक्षित बच गईं। क्रेन की मदद से ट्राले को बाहर निकाला गया। वहीं गुरदासपुर जिले के कलानौर रोड पर एक स्कूल वैन और ट्रक की टक्कर में वैन में सवार अध्यापक घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा भी घने कोहरे के कारण हुआ।

उत्तर प्रदेश में सबसे घना कोहरा, कई जिलों में दर्जनों हादसे

उत्तर प्रदेश में इस सीजन का सबसे घना कोहरा दर्ज किया गया, जिससे सड़कों पर दृश्यता लगभग शून्य हो गई। हालात ऐसे थे कि वाहनों की हेडलाइट तक मुश्किल से दिखाई दे रही थी। राज्य के कम से कम 12 जिलों-मेरठ, फतेहपुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, कुशीनगर, संभल, बलिया, हाथरस सहित अन्य इलाकों में 40 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए। इन हादसों में एक डेढ़ साल की बच्ची समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बाराबंकी जिले के बदोसराय क्षेत्र में रामनगर–टीकैतनगर मार्ग पर घने कोहरे के कारण एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन सामने से आ रहे अज्ञात वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

तृणमूल कांग्रेस बंगाल में घुसपैठियों को वोटर बना रही: पीएम मोदी

एजेंसी | मालदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में असली परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि टीएमसी "घुसपैठियों को वोटर" में बदल रही है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी असंतुलित हो रही है और गरीबों के अधिकार छीने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी भारत दशकों तक घृणा और विभाजनकारी राजनीति के कारण पिछड़ा रहा, लेकिन अब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि "विकसित भारत" के लिए पूर्वी भारत का विकास अनिवार्य है और बंगाल की इसमें अहम भूमिका है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें बंगाल के लोगों में वास्तविक बदलाव की गहरी इच्छा दिखाई दे रही है। इसी संदर्भ में उन्होंने नारा दिया—"पालटानो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।"

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने बिहार, ओडिशा और असम जैसे राज्यों को नफरत और विभाजन की राजनीति से मुक्त किया है। उन्होंने कहा कि आज खासकर युवा और जेन-ज़ी भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा जता रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जैसे ही बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार, हिंसा और तुष्टीकरण की राजनीति पर पूरी तरह विराम लगेगा। बंगाल की जनसांख्यिकी पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद और अन्य इलाकों में घुसपैठ के कारण हालात बिगड़े हैं और दंगे तक हो रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए मटुआ समुदाय जैसे शरणार्थियों को डरने की जरूरत नहीं है। भाजपा सरकार बनने पर घुसपैठ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

आयुष्मान भारत योजना का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल देश का इकलौता राज्य है, जहां यह योजना लागू नहीं होने दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार को आम लोगों की तकलीफों से कोई मतलब नहीं है और वह केवल अपनी तिजोरी भरने में लगी है। पीएम ने कहा कि बंगाल के गरीबों को भी देश के बाकी हिस्सों की तरह 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का अधिकार मिलना चाहिए और "पत्थरदिल सरकार" की विदाई जरूरी है।

वंदे भारत को रवाना किया

इससे पहले प्रधानमंत्री ने हावड़ा–गुवाहाटी के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन और अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह "मेड इन इंडिया" ट्रेन है, जो मां काली की धरती बंगाल को मां कामाख्या की भूमि असम से जोड़ेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कई रेल और सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से बंगाल में कनेक्टिविटी मजबूत होगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और राज्य की विकास रफ्तार को नई गति मिलेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

दूसरी मंज़िल से गिरकर छात्रा मरी

श्रीगंगानगर | राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में एक दुखद हादसे में कक्षा 12 की छात्रा की स्कूल भवन की दूसरी मंज़िल से गिरने के बाद मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम की है, जब छात्रा अपने प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए स्कूल आई हुई थी। मृतक छात्रा की पहचान 18 वर्षीय रामनदीप कौर के रूप में हुई है, जो स्थानीय पुरानी आबादी टावर रोड क्षेत्र की रहने वाली थी। पुलिस के अनुसार, रामनदीप एसडी गर्ल्स स्कूल में जीवविज्ञान की प्रैक्टिकल परीक्षा देने पहुंची थी। बताया गया है कि वह अस्वस्थ थी, इसके बावजूद परीक्षा देने के लिए स्कूल आई थी।

राष्ट्रपति भवन 29 तक बंद

नई दिल्ली | गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी को देखते हुए राष्ट्रपति भवन 21 से 29 जनवरी तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के कारण 17 जनवरी, 19 जनवरी, 20 जनवरी और 21 जनवरी को दिल्ली के कई मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक की आवाजाही बंद रहेगी। रिहर्सल विजय चौक से इंडिया गेट तक होगी, जिसमें परेड का रास्ता सी-हेक्सागन तक फैला होगा। इन चारों दिनों में सुबह 10.15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक प्रतिबंध लागू रहेंगे। रफी मार्ग, जनपथ, मान सिंह रोड और सी-हेक्सागन पर कर्तव्य पथ पर ट्रैफिक क्रॉसिंग बंद रहेगी।

अहिल्याबाई की मूर्ति नहीं टूटी: योगी

काशी | काशी के मणिकर्णिका घाट पर रानी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति टूटने के आरोपों को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले में योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कांग्रेस पर साजिश रचने का आरोप लगाया। सीएम योगी ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पूरी तरह सुरक्षित है और कांग्रेस ने एआई के जरिए फर्जी वीडियो व तस्वीरें बनाकर काशी को बदनाम करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि मंदिर तोड़े जाने का दावा पूरी तरह झूठा है। सीएम ने चेतावनी दी कि एआई के जरिए भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उधर, कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। मणिकर्णिका घाट पर निर्माण कार्य रुका हुआ है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

संजय कपूर संपत्ति विवाद में पत्नी प्रिया ने बहन मंदिरा पर मानहानि का केस किया

समर न्यूज | नई दिल्ली

दिग्गज उद्योगपति संजय कपूर की संपत्ति को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद और तेज हो गया है। उनकी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर ने बहन मंदिरा कपूर स्मिथ और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मानहानि (क्रिमिनल डिफेमेशन) की शिकायत दायर की है। प्रिया कपूर का आरोप है कि उनकी सासुबहू द्वारा पॉडकास्ट, सोशल मीडिया, मीडिया इंटरव्यू और ऑनलाइन सामग्री के माध्यम से लगातार जारी की गई टिप्पणियां उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए एक "संगठित और जानबूझकर अभियान" का हिस्सा हैं। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दायर शिकायत में कहा गया कि मंडीरा कपूर स्मिथ की टिप्पणियों में "झूठे आरोप, संकेत और व्यक्तिगत हमले" शामिल हैं, प्रिया के वकील मनींदर सिंह का कहना है कि इस तरह का कृत्य "संपूर्ण रूप से क्रिमिनल डिफेमेशन की धारा के तहत आता है।" यह मामला उस समय दायर किया गया जब प्रिया कपूर ने संजय कपूर और उनकी पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर से संबंधित तलाक से जुड़े अदालत दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां प्राप्त करने के लिए याचिका दायर की थी। इसी बीच मंदिरा कपूर स्मिथ ने मीडिया के सामने प्रिया कपूर के "व्यवहार और इरादों" पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अगर उनके भाई ने किसी जानकारी को साझा करना चाहा होता तो वह शादी के दौरान करते, और तलाक की प्रक्रियाएं खासकर बच्चों के मामले में गोपनीय होती हैं।

भागीरथपुरा का राहुल गांधी ने दौरा किया

एजेंसी | इंदौर

इंदौर में दूषित पेयजल से जुड़ी मौतों और डायरिया के प्रकोप को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र और मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह घटना शहरी प्रशासन की गंभीर विफलता को उजागर करती है और तथाकथित स्मार्ट सिटी मॉडल की सच्चाई सामने लाती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके का दौरा किया, जहां पिछले महीने दूषित पानी के कारण उल्टी-दस्त के कई मामले सामने आए थे।

सुंदर लड़की देखकर पुरुष भटक जाता है: कांग्रेस विधायक बरैया

एजेंसी | भांडेर

मध्य प्रदेश के भांडेर से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया अपने एक विवादित बयान को लेकर सियासी घमासान में फंस गए हैं। फूल सिंह बरैया ने दावा किया कि भारत में अधिकांश बलात्कार अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों में होते हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक तथाकथित 'रेप थ्योरी' पेश करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान अगर कोई पुरुष किसी "बेहद खूबसूरत लड़की" को देखता है तो उसका ध्यान भटक सकता है और उसी कारण बलात्कार जैसी घटनाएं हो जाती हैं। इतना ही नहीं, विधायक ने यह भी कहा कि शास्त्रों में लिखे कुछ विकृत विश्वासों के कारण SC/ST/OBC महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं होती हैं। उनके इस बयान के सामने आते ही राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया शुरू हो गई। कांग्रेस ने बयान से किनारा करते हुए कहा कि यह विधायक का निजी विचार है और पार्टी ऐसी सोच का समर्थन नहीं करती। वहीं भाजपा ने इसे महिलाओं के प्रति कांग्रेस नेताओं की मानसिकता बताते हुए कहा कि ऐसे बयान न सिर्फ असंवेदनशील हैं, बल्कि अपराध को सही ठहराने की कोशिश भी हैं।

वैभव सूर्यवंशी का विराट रिकॉर्ड

एजेंसी | बुलावायो

आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने बड़ा कीर्तिमान हासिल किया। पारी के 25 रन पूरे करते ही उन्होंने यूथ वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे कर लिए और इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। वैभव ने सिर्फ 20 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, वैभव सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे आगे केवल शुभमन गिल और उनमुक्त हैं। वैभव यूथ वनडे में 1000 रन पूरे करने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी भी बन गए।

पेज 1 एंकर स्टोरी 26 अप्रैल की समय सीमा से पहले अमेरिका से प्रतिबंधों में राहत चाहता है भारत

चाबहार पोर्ट पर संकट टालने की कूटनीतिक कवायद

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारत–ईरान के बीच रणनीतिक रूप से अहम चाबहार पोर्ट परियोजना को लेकर फैली अटकलों पर भारत सरकार ने विराम लगा दिया है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने साफ किया है कि भारत इस परियोजना से पीछे नहीं हटा है और अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट हासिल करने के लिए वॉशिंगटन के साथ सक्रिय संवाद जारी है।

विदेश मंत्रालय ने उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया, जिनमें दावा किया गया था कि भारत चाबहार परियोजना से बाहर निकल रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, भारत इस पोर्ट के विकास को लेकर प्रतिबद्ध है और मौजूदा चुनौतियों का समाधान कूटनीतिक स्तर पर तलाशा जा रहा है।

दरअसल, अमेरिका की ओर से ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी के बाद इस परियोजना पर अनिश्चितता बढ़ गई थी। खासतौर पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के सख्त रुख ने भारत के लिए संतुलन साधने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि अमेरिका पहले चाबहार परियोजना को प्रतिबंधों से छूट देता रहा है। फिलहाल भारत को छह महीने की अस्थायी राहत मिली हुई है, जो 26 अप्रैल 2026 तक वैध है। MEA ने पुष्टि की है कि भारत इस अवधि से पहले शर्तों को स्पष्ट करने और परियोजना में सुरक्षित भागीदारी बनाए रखने के लिए अमेरिकी प्रशासन के संपर्क में है।

जोखिम कम करने के विकल्पों पर विचार

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत अपने हितों की सुरक्षा के लिए कई विकल्पों पर काम कर रहा है। इनमें परियोजना में किए जाने वाले तय 120 मिलियन डॉलर के निवेश को सुरक्षित तरीके से ट्रांसफर करना और जोखिम को सीमित रखने के लिए एक नई इकाई के गठन की संभावना भी शामिल है।

भारत के लिए चाबहार पोर्ट इसलिए भी अहम है क्योंकि यह इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है, जो भारत को ईरान, अफगानिस्तान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप से जोड़ता है।

दिल्ली में अमित शाह से मिले पंजाब के सीएम भगवंत मान, RDF की पहली किस्त जल्द जारी

अफसरों की तैनाती, SYL विवाद और अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे चर्चा में आए

समर न्यूज | चंडीगढ़

दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले रूरल डवलपमेंट फंड (RDF) की रुकी हुई राशि 8,500 करोड़ रुपए जल्द रिलीज करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि यह राशि राज्य की सड़कों और मंडियों के विकास में खर्च की जानी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस पर आश्वासन दिया कि वह जल्द ही बैठक बुलाकर RDF की पहली किश्त जारी करेंगे, ताकि पंजाब में इस धन का इस्तेमाल जल्द किया जा सके।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने पंजाब में एफसीआई (FCI) के जनरल मैनेजर की तैनाती पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में 60 अफसर पंजाब से और 40 हरियाणा से तैनात किए जाते हैं, जबकि कई बार UT (संघ शासित प्रदेश) के अधिकारी तैनात किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि एफसीआई का जनरल मैनेजर हमेशा पंजाब का ही तैनात किया जाए। उन्होंने इसके लिए पैनल पेश करने की बात कही और गृहमंत्री ने इस मुद्दे पर विचार करने का आश्वासन दिया।

भगवंत मान ने सीड एक्ट को लेकर भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों के लिए यह अधिनियम नुकसानदेह हो सकता है। यदि फसल बीज कंपनियों के माध्यम से ही उपलब्ध कराए जाने पड़ेंगे, तो किसान अपनी खुद की फसल से बीज नहीं रख पाएंगे। इस कारण उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री से आग्रह किया कि इसे सांसद में लाने से रोका जाए और किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए।

SYL (सतलुज-यमुना लिंक) की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई को लेकर भी मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास राज्य को पानी देने के लिए पर्याप्त स्रोत नहीं हैं और इस विवाद का समाधान बैठकर करना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस मुद्दे को दोनों पक्षों के बीच समझौते से सुलझा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कंटीली तार को और अंदर करने का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि वर्तमान में सीमा पर तार बाहरी क्षेत्रों तक फैला है, जिससे पंजाब के जमींदारों को खेती करने में कठिनाई होती है और तस्करी की घटनाएं बढ़ती हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने इसे मानते हुए इस दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य से जुड़े सभी उठाए गए मुद्दों पर ध्यान देने और समाधान सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यह बैठक पंजाब और केंद्र के बीच सहयोग को और मजबूत करेगी और राज्य में विकास परियोजनाओं को तेजी से लागू करने में मदद करेगी।

नवांशहर में ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूकता अभियान

जगदीश | नवांशहर
समर न्यूज

नवांशहर में रोड सेफ्टी मंथ के तहत जिला पुलिस और आरटीओ विभाग संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। आरटीओ पीसीएस इंद्रपाल सिंह की देखरेख में दोपहिया, बस, ट्रक चालकों के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज के छात्रों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी जा रही है। पिछले 17 दिनों में 30 स्कूलों, 8 कॉलेजों और विभिन्न टैक्सी यूनियनों में सेमिनार आयोजित किए गए। इस दौरान बिना हेलमेट चल रहे दोपहिया चालकों को करीब 200 फ्री हेलमेट दिए गए।

इसके अलावा आरटीओ कार्यालय में लगाए गए नेत्र जांच कैंपों में 120 लोगों की आंखों की जांच की गई। अभियान अभी 14 दिन और जारी रहेगा।

ट्रक की टक्कर से युवती की दोनों टांगें बुरी तरह कुचली

समर न्यूज | होशियारपुर

होशियारपुर जिले के माहिलपुर शहर के मेन चौक पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। बजरी से भरे एक ट्रक ने पीछे से एक्टिवा को टक्कर मार दी, जिससे एक्टिवा सवार युवती की दोनों टांगें ट्रक के पिछले टायरों के नीचे बुरी तरह कुचल गईं। घायल युवती की पहचान लखविंदर कौर (26), पुत्री जसवीर सिंह, निवासी गांव महमूदोवाल कलां के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह रोज़ की तरह अपनी एक्टिवा पर माहिलपुर स्थित एक निजी अकादमी जा रही थी। इसी दौरान मेन चौक पर पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही लखविंदर कौर सड़क पर गिर गई और उसकी टांगें ट्रक के पिछले पहियों के नीचे फंस गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे ट्रक के नीचे से बाहर निकाला और तुरंत सिविल अस्पताल माहिलपुर पहुंचाया।

नई दिल्ली में आयोजित हुआ 28वां सीएसपीओसी जिसमें भारत ने वैश्विक संसदीय नेताओं की मेजबानी की, लोक सभा अध्यक्ष ने 29वें सीएसपीओसी की अध्यक्षता यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे होयल को सौंपी, इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के OSD राजीव दत्ता से मिले यूनाइटेड किंग के अध्यक्ष के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे होयल।

आदमपुर में पुरानी रंजिश पर युवक की गोली मारकर हत्या

समर न्यूज | आदमपुर

आदमपुर के संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी के पास पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान केसर धामी के रूप में हुई है, जो सदरा सोढियां का रहने वाला था।

जानकारी के अनुसार केसर धामी अपने दो दोस्तों, भुपिंदर सिंह और गगन के साथ बाइक पर कॉलेज जा रहे थे। दोपहर करीब 3 बजे जब वे अपनी बाइक से कॉलेज से लौट रहे थे, तभी ड्रौली कलां निवासी जस्सा ने अपनी बाइक पर उन्हें टक्कर मारी। इस टक्कर के बाद हुई झड़प में पुरानी रंजिश के चलते जस्सा ने केसर धामी के सिर में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया।

पंजाब के पांच बड़े शहरों में बस टर्मिनलों का आधुनिकीकरण

पीपीपी मॉडल से लुधियाना, जालंधर, संगरूर, पटियाला और बठिंडा के बस स्टैंड होंगे अपग्रेड

समर न्यूज | जालंधर

पंजाब सरकार ने राज्य में सार्वजनिक परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत लुधियाना, जालंधर, संगरूर, पटियाला और बठिंडा के प्रमुख बस टर्मिनलों के आधुनिकीकरण को मंजूरी दी गई है। इन बस टर्मिनलों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत अपग्रेड किया जाएगा।

परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ये बस टर्मिनल ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए अहम संपर्क केंद्र हैं और रोज़ाना कामगारों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, पर्यटकों और औद्योगिक श्रमिकों

मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर।

की आवाजाही को आसान बनाते हैं। मंत्री ने बताया कि ये बस टर्मिनल पंजाब को हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लुधियाना और जालंधर बस टर्मिनलों पर प्रतिदिन करीब 75 हजार से 1 लाख यात्री आते-जाते हैं, जबकि पटियाला और बठिंडा में रोजाना लगभग 50 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है।

यात्री सुविधाओं पर विशेष फोकस

आधुनिकीकरण के तहत बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छ और उन्नत शौचालय, बेहतर रोशनी और संकेतक, सुव्यवस्थित बोर्डिंग व्यवस्था और आधुनिक पार्किंग सिस्टम विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और सुचारू आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि पीक आवर्स में भी यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष व्यवस्था

इस परियोजना में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों की जरूरतों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। बाधारहित प्रवेश, रैंप और सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि सार्वजनिक परिवहन सभी वर्गों के लिए सुलभ हो।

एकीकृत शहरी हब के रूप में विकास

परिवहन मंत्री ने बताया कि इन बस टर्मिनलों को केवल परिवहन केंद्र ही नहीं, बल्कि एकीकृत शहरी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। टर्मिनल परिसरों में खुदरा दुकानें, कार्यालय, कार्यस्थल और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सहूलियत मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल लंबे समय से चली आ रही ढांचागत कमियों और संचालन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करेगी और राज्य में आधुनिक, कुशल व जनहितैषी बस टर्मिनलों के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी।

गोल्डन टेंपल में सीट विवाद के चलते युवक से मारपीट

10 से ज्यादा लोगों ने किया हमला

समर न्यूज | अमृतसर

अमृतसर से मुंबई जा रही गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में सीट को लेकर विवाद हिंसक रूप ले लिया। कोटा से भवानीमंडी आ रही ट्रेन में शाहबाज अहमद, निवासी पचपहाड़, भवानीमंडी (झालावाड़) के साथ 10 से ज्यादा युवकों ने मारपीट की।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन में सीट को लेकर कुछ युवकों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट इतनी हिंसक हो गई कि शाहबाज को लात-घूंसों से मारकर नीचे गिरा दिया गया। एक व्यक्ति तो उस पर उछलकर कूदने लगा। मारपीट का वीडियो भी कुछ लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया।

शाहबाज ने किसी तरह अपनी जान बचाई और अपने परिवार को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद परिजन शाम करीब 4:40 बजे भवानीमंडी स्टेशन पर पहुंचे और जीआरपी की मदद से उसे उतारा गया। घायल युवक को परिजनों ने भवानीमंडी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे झालावाड़ रेफर कर दिया गया।

जीआरपी ने मामले में तीन युवकों को डिटेन किया, जिनमें से एक कोटा जीआरपी ने हिरासत में ले लिया है। पर्चा बयान और अन्य कानूनी कार्रवाई आगे की जाएगी।

अमृतसर में 11 स्थानों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तस्करों पर सख्ती के साथ नशा पीड़ितों के इलाज-पुनर्वास पर भी फोकस

समर न्यूज | अमृतसर

नशों के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत अमृतसर में पुलिस ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए शहर के 11 अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की। यह कार्रवाई विशेष कासो ऑपरेशन के तहत की गई, जिसमें कई पुलिस टीमों को तैनात कर संवेदनशील क्षेत्रों में गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

अमृतसर पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बीते एक वर्ष में नशा तस्करी के खिलाफ अमृतसर पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली है। इस दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं, जिनमें हेरोइन, अफीम, मेथामफेटामाइन (आइस), गांजा, चरस और अन्य सिंथेटिक ड्रग्स शामिल हैं। साथ ही हजारों नशा तस्करों और ड्रग सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल नशा तस्करों पर कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों को इलाज और पुनर्वास के जरिए समाज की मुख्यधारा में वापस लाना भी है। इसी के तहत हजारों लोगों को डी-एडिक्शन सेंटरों में भर्ती कराया गया है, जबकि बड़ी संख्या में लोगों का ओट सेंटरों में पंजीकरण किया गया है। एनडीपीएस एक्ट की धारा 64-ए के अंतर्गत भी कई मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरु की वडाली क्षेत्र, जो कभी नशे के लिए बदनाम था, आज जनता के सहयोग से काफी हद तक नशा मुक्त हो चुका है। इस इलाके में दर्जनों एफआईआर दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और ड्रग मनी भी जब्त की गई है।

स्कूल वैन ट्रक से टकराई 9 शिक्षक हुए घायल

समर न्यूज | गुरदासपुर

गुरदासपुर जिले में गुरदासपुर–कलानौर रोड पर गांव बिशन कोट के पास एक बड़ा सड़क हादसा हो गया।

यहां सरकारी स्कूल के शिक्षकों को ले जा रही एक वैन की सामने से आ रहे ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में वैन में सवार करीब 9 सरकारी शिक्षक घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार वैन में करीब 15 शिक्षक सवार थे, जो अलग-अलग सरकारी स्कूलों में अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में बैठे कई शिक्षक घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला और सिविल अस्पताल गुरदासपुर पहुंचाया।

हादसे में घायल शिक्षिका शैली सैनी ने बताया कि वे सभी शिक्षक पठानकोट से फतेहगढ़ चूड़ियां की ओर जा रहे थे। रास्ते में सामने से आ रहे ट्रक ने वैन को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि उस समय घना कोहरा था, जिस कारण दृश्यता कम थी और हादसा हो गया।

सिविल अस्पताल गुरदासपुर के ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि उनके पास करीब 9 घायल शिक्षक लाए गए हैं। इनमें से 4 से 5 शिक्षकों की हालत ज्यादा गंभीर है, हालांकि किसी की भी जान को खतरा नहीं है। सभी घायलों का इलाज जारी है। डॉक्टर ने बताया कि सभी घायल सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं, जो सुबह-सवेरे अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ।

सराहना लैंडलॉक्ड राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा पंजाब, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर को मिली राष्ट्रीय सराहना

एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में पंजाब 'लीडर स्टेट' घोषित

समर न्यूज | चंडीगढ़

एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स 2024 में पंजाब ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 'लीडर स्टेट' के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह जानकारी राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली और स्थानीय निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा ने दी। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि पंजाब की सुदृढ़ नीतिगत व्यवस्था, बेहतर शासन और निर्यात को बढ़ावा देने वाले वातावरण का परिणाम है। एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स नीति आयोग द्वारा तैयार किया गया एक व्यापक, डेटा-आधारित ढांचा है, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निर्यात के लिए तैयारी का आकलन किया जाता है। इसमें नीति ढांचा, कारोबारी माहौल, निर्यात इकोसिस्टम और निर्यात प्रदर्शन जैसे चार प्रमुख स्तंभों के

आधार पर 70 से अधिक संकेतकों का विश्लेषण किया जाता है। इसका उद्देश्य राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धी संघवाद को प्रोत्साहित करना और वैश्विक व्यापार में उनकी भागीदारी को मजबूत करना है।

लैंडलॉक्ड होने के बावजूद बड़ी उपलब्धि : कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि ईपीआई-2024 में पंजाब ने लैंडलॉक्ड राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया है और 'लीडर स्टेट' घोषित हुआ है। यह इसलिए भी खास है क्योंकि शीर्ष रैंकिंग वाले अधिकांश राज्य तटीय हैं, जिन्हें समुद्री बंदरगाहों का लाभ मिलता है। इसके बावजूद पंजाब का अग्रणी राज्यों में शामिल होना उसकी लॉजिस्टिक चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने की क्षमता को दर्शाता है।

नीति सुधार और बेहतर शासन बना सफलता का आधार

मंत्री ने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे प्रभावी नीति कार्यान्वयन, प्रशासनिक सुधार और परिणाम-आधारित प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। कपड़ा उद्योग, कृषि-प्रसंस्करण, विनिर्माण और अन्य सहायक क्षेत्रों के लिए बनाई गई क्षेत्र-विशेष औद्योगिक नीतियों से राज्य के निर्यात को मजबूती मिली है। उन्होंने बताया कि कारोबार करने में आसानी से जुड़े सुधारों, सरल नियामक प्रक्रियाओं और मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क ने एमएसएमई से लेकर बड़े निर्यातकों तक को लाभ पहुंचाया है। इसके चलते पंजाब ने हाल के वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर कई मान्यताएं भी हासिल की हैं।

संजीव अरोड़ा ने दोहराया कि पंजाब सरकार निर्यात-उन्मुख बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि राज्य देश को वैश्विक निर्यात शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

गैर-जमानती वारंट रद्द, 2017 के बयान से जुड़ा मानहानि मामला विचाराधीन

सुखबीर सिंह बादल को मिली जमानत

समर न्यूज | चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को आठ साल पुराने मानहानि मामले में शनिवार को चंडीगढ़ जिला कोर्ट से जमानत मिल गई। बादल खुद कोर्ट में पेश हुए और जमानत के लिए अर्जी दाखिल की। इससे पहले, पेशी पर गैरहाजिर रहने के कारण कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द कर दी थी और उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे। यह मामला वर्ष 2017 का है, जब मोहाली निवासी और अखंड कीर्तनी जत्था के प्रवक्ता राजिंदर पाल सिंह ने सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत दर्ज की गई थी। 17 दिसंबर 2025 को कोर्ट के आदेश के बावजूद सुखबीर

बादल पेश नहीं हुए थे। इसके बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल गर्ग की अदालत ने उनकी जमानत रद्द कर गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। सख्त कार्रवाई की आशंका के चलते बादल को कोर्ट में पेश होना पड़ा। सुखबीर सिंह बादल ने इस मामले को रद्द कराने के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद मामला चंडीगढ़ जिला कोर्ट में ही चल रहा था। मामला 4 जनवरी 2017 का है, जब तत्कालीन दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली में राजिंदर पाल सिंह के आवास पर गए थे। इस मुलाकात के बाद सुखबीर सिंह बादल ने मीडिया में दिए बयान में अखंड कीर्तनी जत्था को बब्बर खालसा इंटरनेशनल का राजनीतिक फ्रंट बताते हुए इसे कट्टरपंथी गतिविधियों से जोड़ दिया। शिकायतकर्ता राजिंदर पाल सिंह का आरोप है कि इस बयान से उनके संगठन की प्रतिष्ठा और छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा। इसके चलते उन्होंने मानहानि का मामला दर्ज कराया। सुखबीर सिंह बादल के केजरीवाल पंजाब आते हैं और कट्टरपंथियों से मेल-जोल शुरू कर देते हैं। परसों वह अखंड कीर्तनी जत्था के साथ नाश्ता कर रहे थे, जो बब्बर खालसा इंटरनेशनल का राजनीतिक फ्रंट है।

सफेद स्विफ्ट सवार लुटेरी महिलाओं का आतंक

जगदीश | नवांशहर
समर न्यूज

नवांशहर के उपमंडल बंगा अंतर्गत गांव हकीमपुर में पंचायत मेंबर महेंद्र कौर से सफेद स्विफ्ट कार में सवार लुटेरी महिलाओं ने सोने की बाली झपट ली। बस स्टॉप से लिफ्ट देकर कुछ ही दूरी पर महिलाओं ने वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गईं। गनीमत रही कि पीड़िता को कोई चोट नहीं आई।

मामले की शिकायत थाना मुकुंदपुर में दर्ज कर ली गई है। बताया जा रहा है कि मुकुंदपुर, अपरा, गोराया सहित कई इलाकों में यह गिरोह सक्रिय है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध वाहनों की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

सा SUMMER न्यूज़

समर प्राइम 3

www.summerexpress.in

18 जनवरी 2026

समर एक्सप्रेस

डिग्री हाथ में और नौकरी दूरः भारत में शिक्षित बेरोजगारी संकट

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 के अनुसार अंतिम वर्ष के छात्रों और पोस्टग्रेजुएट्स में से केवल 51.25% ही रोजगार योग्य पाए गए

समर न्यूज | नई दिल्ली

एक उमस भरी गर्मी की सुबह, कॉलेज के गेट से निकलता एक नया स्नातक हाथ में डिग्री की फाइल, चेहरे पर आत्मविश्वास और परिवार की आंखों में उम्मीद। भरोसा यह कि प्रतिष्ठित डिग्री अपने आप एक सुरक्षित और अच्छी नौकरी का रास्ता खोल देगी। लेकिन हफ्ते महीनों में बदल जाते हैं। न कॉल आती है, न ऑफर लेटर। आत्मविश्वास धीरे-धीरे टूटने लगता है।

यह कहानी किसी एक छात्र की नहीं है। यह उस हकीकत का हिस्सा है, जिसे आज देश के लाखों युवा या तो जी रहे हैं या बहुत करीब से देख चुके हैं। सवाल यह है कि आखिर इतनी पढ़ाई के बावजूद इतने युवा अनएम्प्लॉयेबल क्यों रह जाते हैं। अक्सर बहस खाली पदों की संख्या पर आकर रुक जाती है, मानो वही सारी समस्या की जड़ हो। लेकिन आंकड़े एक अलग और असहज सच सामने रखते हैं समस्या की जड़ खुद उच्च शिक्षा व्यवस्था में छिपी है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। कागजों पर यह एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 के अनुसार, अंतिम वर्ष के छात्रों और पोस्टग्रेजुएट्स में से केवल 51.25% ही रोजगार योग्य पाए गए। वहीं पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे 2023 बताता है कि शहरी युवाओं (15–29 वर्ष) में बेरोजगारी दर 17.5 प्रतिशत है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा स्नातकों का है।

डिग्री फैक्ट्री बनते संस्थान

संरचनात्मक कारण अब अनदेखे नहीं किए जा सकते। टीमलीज की रिपोर्ट From Degree Factories to Employ-ability Hubs बताती है कि भारत के करीब 75% उच्च शिक्षा संस्थान उद्योग की जरूरतों से मेल नहीं खाते। सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थान पूरी तरह इंडस्ट्री-अलाइन हैं, जबकि आधे से ज्यादा मानते हैं कि उनका पाठ्यक्रम बिल्कुल भी मेल नहीं खाता। कई कक्षाओं में आज भी रटने को सीख माना जाता है, कौशल को नहीं। दुनिया तेजी से बदल चुकी है, लेकिन सिलेबस वर्षों तक जस का तस रहता है। मूल्यांकन प्रणाली अभी भी थ्योरी आधारित उत्तरों को तरजीह देती है, न कि समस्या समाधान और व्यावहारिक सोच को।

थ्योरी पर टिकी व्यवस्था

इस असंतुलन की जड़ें गहरी हैं। दशकों तक भारतीय उच्च शिक्षा ने व्यावहारिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण की बजाय सैद्धांतिक ज्ञान को प्राथमिकता दी। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अनुसार, भारत की केवल 4.7 प्रतिशत कार्यशक्ति को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण मिला है जो अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों से कहीं कम है। नतीजा हर क्षेत्र में दिखता है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स इंडस्ट्री टूल्स से जूझते हैं। लॉ ग्रेजुएट्स को ड्राफ्टिंग और मुकदमों का व्यावहारिक अनुभव नहीं होता। ह्यूमैनिटीज के छात्र अकादमिक रूप से मजबूत होते हैं, लेकिन उनके लिए लागू करियर रास्ते स्पष्ट नहीं होते। समस्या बुद्धिमत्ता की नहीं, दिशा की है।

जहां कौशल की सबसे ज्यादा जरूरत, वहीं कमी

पाठ्यक्रम की परतें खोलने पर खामियां और साफ दिखती हैं। केवल 36 प्रतिशत संस्थानों में संचार, टीमवर्क और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे सॉफ्ट स्किल्स शामिल हैं। महज 23 प्रतिशत कॉलेजों में उद्योग विशेषज्ञ छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं। लाइव प्रोजेक्ट्स के जरिये व्यावहारिक सीख देने वाले संस्थान सिर्फ 25 प्रतिशत हैं। डिग्री का महत्व भी अब बदल रहा है। वर्कइंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, आज जॉब लिस्टिंग में कक्षा 10 से कम योग्यता वाले उम्मीदवारों की मांग सबसे ज्यादा है यह उच्च शिक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी है। इंटर्नशिप, जिसे पढ़ाई और नौकरी के बीच की कड़ी माना जाता है, केवल 26 प्रतिशत संस्थानों में सही ढंग से शामिल है। अधिकांश छात्रों के लिए यह एक वैकल्पिक औपचारिकता बनकर रह जाती है। वहीं उद्योग-मान्य सर्टिफिकेशन, जो आज नियोक्ताओं के लिए अहम संकेत हैं, 60 प्रतिशत से अधिक संस्थानों के पाठ्यक्रम से बाहर हैं।

डिग्री को रास्ता बनाना होगा, रुकावट नहीं

स्किल इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी पहलों में समस्या को स्वीकार किया गया है, लेकिन सुधार की रफ्तार डिग्रियों के उत्पादन से पीछे है। अब सवाल अकादमिक नहीं रहा। क्या उच्च शिक्षा संस्थान सिर्फ सर्टिफिकेट देने से संतुष्ट हैं, या वे आजीविका सुनिश्चित करने को तैयार हैं जब तक डिग्री और कौशल के बीच की दूरी खत्म नहीं होगी, तब तक कैंपस भरे रहेंगे और अवसर खाली। भारत का जनसांख्यिकीय लाभ अभी भी संभव है। लेकिन तभी, जब उच्च शिक्षा ज्ञान को काम से जोड़े और डिग्री को फिर से एक सार्थक मंज़िल तक पहुंचने का साधन बनाए।

कीमत कौन चुका रहा है

इस खाई की सबसे बड़ी कीमत युवा चुका रहे हैं, खासकर पोस्टग्रेजुएट्स जो देर से नौकरी बाजार में प्रवेश करते हैं । जब नौकरियां नहीं मिलतीं, तो वे "शिक्षित बेरोजगार" की श्रेणी में फंस जाते हैं, जहां आर्थिक निर्भरता, मानसिक तनाव और हताशा बढ़ती है। नियोक्ताओं को भी नुकसान होता है। कंपनियों को नए कर्मचारियों को बुनियादी कामों के लिए दोबारा प्रशिक्षित करना पड़ता है। उत्पादकता गिरती है और नवाचार धीमा पड़ता है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके असर और गंभीर हैं। विश्व बैंक और सीएमआईई पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि यदि शिक्षित युवाओं का सही उपयोग नहीं हुआ तो दीर्घकालिक संकट में फंस सकता है।

1 अप्रैल से देश भर में सभी टोल प्लाजा होंगे पूरी तरह कैशलेस

समर न्यूज | नई दिल्ली

देश के सभी टोल प्लाजा पर 1 अप्रैल से नकद भुगतान पूरी तरह बंद किया जाएगा। नए नियमों के तहत वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए केवल फास्टैग या यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों का ही उपयोग करना होगा। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में दी।

उन्होंने बताया कि टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों को खत्म करने और यात्रा को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। कैशलेस टोलिंग से वाहनों को टोल बूथ पर रुकना नहीं पड़ेगा,

जिससे ट्रैफिक जाम और समय की बर्बादी कम होगी। फिलहाल नो-स्टॉप टोलिंग सिस्टम' का पायलट प्रोजेक्ट देश के 25 टोल प्लाजा पर चल रहा है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी होना बाकी है।

तीन प्रमुख लक्ष्य : मंत्रालय के अनुसार, इस फैसले के पीछे तीन मुख्य उद्देश्य हैं। ईंधन की बचतः टोल पर रुकने और दोबारा चलने से होने वाली पेट्रोल-डीजल की खपत कम होगी। पारदर्शिताः डिजिटल भुगतान से हर लेनदेन का रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

बजट में एमएसएमई को मिले राहत, डेलॉयट ने बढ़ाने को कहा निर्यात ऋण

ग्रामीण आय बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लक्ष्य को भी समर्थन देगा, बजट में सहयोग जरूरीः डेलॉयट

समर न्यूज | नई दिल्ली

डेलॉयट इंडिया ने केंद्र सरकार से वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में भारत की व्यापारिक मजबूती बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के लिए निर्यात ऋण और रियायती वित्तपोषण का दायरा बढ़ाया जाए, साथ ही महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और विदेशों में उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष बजटीय प्रावधान किए जाएं। डेलॉयट ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई की भूमिका बेहद अहम है। देश के कुल निर्यात में इनकी हिस्सेदारी लगभग 46 प्रतिशत है और कृषि के बाद यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। वित्तीय और अनुपालन से जुड़े बोझ को कम करने से ये उद्यम वैश्विक अस्थिरता के बीच उत्पादन बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने में सक्षम होंगे।

डेलॉयट के अनुसार, एमएसएमई को मजबूत करना न केवल रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को गति देगा, ग्रामीण आय बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लक्ष्य को भी समर्थन देगा। कंपनी ने अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए डिजिटल सिस्टम को और सुगम करने तथा अंतिम स्तर तक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की सिफारिश की है।

इसके साथ ही डेलॉयट ने रेडीमेड गारमेंट्स, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा जैसे शुल्क-संवेदनशील क्षेत्रों के लिए लक्षित निर्यात प्रोत्साहन या ड्यूटी ड्रॉबैक बढ़ाने का सुझाव दिया है। कंपनी का कहना है कि वैश्विक व्यापार नियमों में बदलाव के कारण इन क्षेत्रों पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है। डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि बढ़ती वैश्विक संरक्षणवादी नीतियां, टैरिफ में बढ़ोतरी, नियमों में बदलाव और गैर-शुल्क बाधाएं भारतीय निर्यातकों के लिए अनिश्चितता पैदा कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भले ही वैश्विक व्यापार तनाव का सीधा असर जीडीपी वृद्धि पर 40 से 80 बेसिस प्वाइंट तक सीमित हो, लेकिन इसका असर एमएसएमई और रोजगार पर कहीं अधिक गंभीर हो सकता है।

मजूमदार ने कहा एमएसएमई जीडीपी में 30.1 प्रतिशत का योगदान देते हैं, भारत के निर्यात में उनकी हिस्सेदारी 45.79 प्रतिशत है और वे करीब 29 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। निर्यात बाजारों में बाधा या व्यापार नियमों में सख्ती से नौकरियों और आय की स्थिरता पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

संसाधन सुरक्षा के मुद्दे पर डेलॉयट ने एक समर्पित 'क्रिटिकल मिनरल्स फंड' बनाने का सुझाव दिया है, जिससे विदेशों में अधिग्रहण और प्रौद्योगिकी सहयोग को वित्तपोषित किया जा सके। साथ ही देश में लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ मैग्नेट जैसे खनिजों की खोज, खनन और प्रसंस्करण के लिए बजट आवंटन बढ़ाने की बात कही गई है। कंपनी ने अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों के साथ वैश्विक सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

इसके अलावा डेलॉयट ने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा भंडारण में निवेश को प्रोत्साहित करने की सिफारिश की है। कंपनी का मानना है कि इससे बाहरी निर्भरता कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भारत के दीर्घकालिक परिवर्तन को मजबूती मिलेगी।

नए हफ्ते में निवेशकों की चांदी, कई दिग्गज कंपनियां देंगी डिविडेंड

शेयर बाजार में हलचल, सेंट्रल बैंक समेत कई कंपनियों के अहम ऐलान

समर न्यूज | नई दिल्ली

सोमवार, 19 जनवरी से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में शेयर बाजार निवेशकों के लिए डिविडेंड और अन्य कॉर्पोरेट एक्शन की भरमार रहने वाली है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एनएलसी इंडिया, एंजेल वन, हैवल्स इंडिया समेत कई दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा देने जा रही हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियों में स्टॉक स्प्लिट और अन्य कॉर्पोरेट गतिविधियां भी देखने को मिलेंगी।

मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को सरकारी बैंक बैंक ऑफ महाराष्ट्र

का शेयर एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेगा। बैंक ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 1 रुपये का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट भी 20 जनवरी 2026 तय की गई है, ताकि पात्र शेयरधारकों की पहचान की जा सके। इसी दिन एनएलसी इंडिया लिमिटेड भी एक्स-डिविडेंड डेट में प्रवेश करेगी। नवरत्न कंपनी को ट्रेडिंग हॉलिडे के चलते अपनी रिकॉर्ड डेट में बदलाव करना पड़ा।

▪ **डिविडेंड देने की कतार में और कंपनियां :** बुधवार को एंजेल वन लिमिटेड के शेयर एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे। फिनटेक सेक्टर की इस प्रमुख कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 23 रुपये का पहला अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 21 जनवरी तय की गई है, जबकि डिविडेंड का भुगतान 13 फरवरी 2026 या उससे पहले किया जाएगा। इसी दिन आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड भी एक्स-डेट होगी। कंपनी ने 1 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 14.85 रुपये के अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी है। बोर्ड ने इसके लिए 21 जनवरी 2026 को रिकॉर्ड डेट निर्धारित की है।

▪ **कॉरपोरेट एक्शन पर भी नजर :** कॉर्पोरेट गतिविधियों की बात करें तो सियान हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयरों की ट्रेडिंग रिज़ॉल्यूशन प्लान सस्पेंशन के तहत निलंबित की जा सकती है। आमतौर पर कंपनी के रिस्ट्रक्चरिंग प्रक्रिया में जाने पर यह कदम उठाया जाता है। गुरुवार को डी.बी. कॉर्प लिमिटेड 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 2 रुपये के फाइनल डिविडेंड के लिए एक्स-डेट होगी। वहीं यूनाइटेड वैन डर हॉर्स्ट लिमिटेड में स्टॉक स्प्लिट किया जाएगा। इस स्प्लिट के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाला एक शेयर पांच हिस्सों में बंटेगा और प्रत्येक नए शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपये होगी।

गांव की महिलाएं शहर तक ला रहीं सरसों का साग

ग्रामीण महिलाएं बचा रही हैं साग की परंपरा

समर न्यूज | लुधियाना

पंजाब में सरसों का साग सिर्फ एक मौसमी व्यंजन नहीं, बल्कि परंपरा, संस्कृति और पीढ़ियों से चले आ रहे स्वाद की पहचान है। यह वह स्वाद है जो कभी शाही रसोइयों से लेकर आम घरों की चूल्हों तक को जोड़ता रहा है। लेकिन शहरी जीवन में पारंपरिक चूल्हों की कमी और समयाभाव के चलते असली धीमी आंच पर पका साग आज भी कई लोगों के लिए दुर्लभ बना हुआ है। इस कमी को अब गांव की महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और विरासत से पूरा कर रही हैं।

सर्दियां आते ही लुधियाना की सड़कों

पर ग्रामीण महिलाएं अस्थायी चूल्हे लगाकर सरसों का साग तैयार करती नजर आती हैं। कहीं सरसों के पत्ते काटे जा रहे हैं, कहीं बड़े भगोनों में साग धीमी आंच पर पक रहा है। इ सर्दियों के मौसम में शहरवासी बेसब्री से इनके आने का इंतजार करते हैं। साग और रोटियों के साथ ये महिलाएं खीर, गाजरेला और गुड़ भी परोसती हैं, जो इस देसी थाली को और भी खास बना देता है।

आयाली कलां की रहने वाली मंदीप हर सर्दियों में गिल रोड के पास अपना अस्थायी किचन लगाती हैं। उन्होंने साग को धीमी आंच पर पकाने की कला अपनी मां से सीखी।

Good DAY

समर न्यूज | लुधियाना

सुप्रभात। एक नया दिन आपके जीवन में नई उम्मीदें, नए अवसर और नई ऊर्जा लेकर आया है। हर सुबह हमें यह याद दिलाती है कि बीता हुआ कल चाहे जैसा भी रहा हो, आज को बेहतर बनाने का मौका हमारे पास जरूर होता है। सकारात्मक सोच के साथ दिन की शुरुआत करें, क्योंकि जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा दिन बनता है। आज अपने मन में कृतज्ञता रखें उन छोटी-छोटी खुशियों के लिए जो हमारे आसपास हैं, उन लोगों के लिए जो हमारे साथ हैं और उन अवसरों के लिए जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें स्वीकार कर धैर्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना ही सच्ची जीत है। आज खुद पर विश्वास रखें, अपने लक्ष्य को याद रखें और पूरे मन से अपने कार्य में लग जाएं। दूसरों के प्रति दया, सम्मान और सहयोग का भाव रखें, क्योंकि एक अच्छा विचार और एक अच्छा व्यवहार न सिर्फ दूसरों का दिन बेहतर बनाता है, बल्कि हमारे जीवन में भी सकारात्मकता भर देता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य, शांति, सफलता और मुस्कान लेकर आए। आपका आज सुंदर हो और आने वाला कल और भी उज्ज्वल बने।

वकील, सिद्धार्थ शर्मा (तेजस)

पेज 3 एंकर स्टोरी

मनाली में बर्फ के बिना सर्दियां, पर्यटन और शीतकालीन खेल प्रभावित

कुल्लू में सूखा सर्द मौसम, बारिश-बर्फबारी न होने से अर्थव्यवस्था पर संकट

समर न्यूज | कुल्लू

कुल्लू घाटी में लंबे समय से बारिश और बर्फबारी न होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यटन, कृषि और बागवानी पर निर्भर इस पहाड़ी क्षेत्र में असामान्य रूप से शुष्क मौसम बना हुआ है, जिससे हालात सूखे जैसे हो गए हैं और लोगों की आजीविका पर खतरा बढ़ गया है।

मनाली और आसपास के इलाकों में बिना बारिश और बर्फ के ठंडी हवाएं तेज हो गई हैं।

आमतौर पर इस मौसम में बर्फ से ढके रहने वाले पहाड़ सूने नजर आ रहे हैं। नमी की कमी के कारण खेती और बागवानी का काम लगभग ठप पड़ गया है। किसान और बागवानों का कहना है कि जमीन इतनी सख्त हो चुकी है कि रोजमर्रा के कृषि कार्य करना भी मुश्किल हो गया है, जिससे भविष्य को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

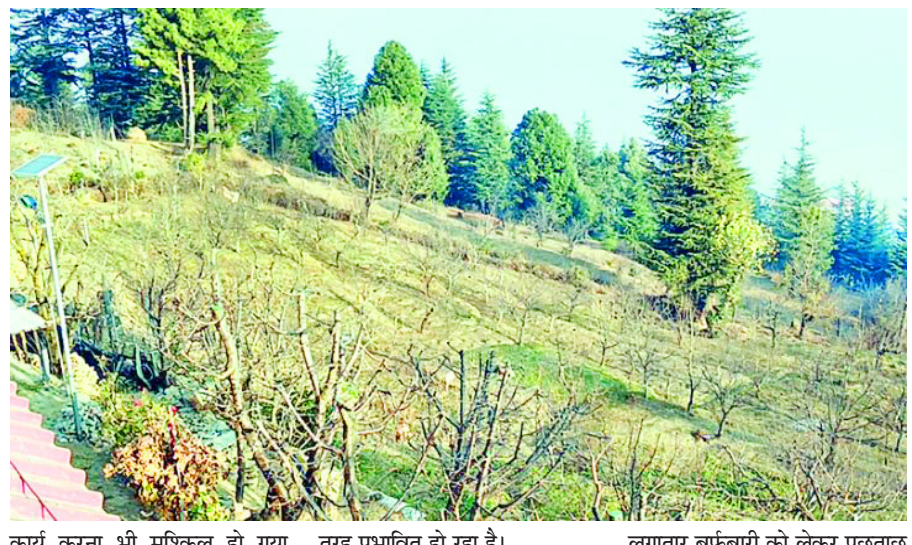

पर्यटन, जो कुल्लू-मनाली की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

मनाली की सर्दियों की पहचान बर्फबारी और उससे जुड़े नजारों व गतिविधियों से है। पर्यटन से जुड़े लोगों का कहना है कि पर्यटक लगातार बर्फबारी को लेकर पूछताछ कर रहे हैं। यदि बर्फबारी में और देरी हुई, तो पीक सीजन में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आ सकती है, जिसका असर होटल कारोबार, टैक्सी सेवाओं, गाइड और अन्य पर्यटन गतिविधियों पर पड़ेगा। वहीं, शीतकालीन खेलों से जुड़े खिलाड़ी भी बर्फ के अभाव में अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं।

सेब उत्पादक, जो पहाड़ी अर्थव्यवस्था का सबसे अहम हिस्सा हैं, इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित हैं। सेब के पौधरोपण का यह अहम मौसम सूखी जमीन के कारण ठप हो गया है। पतलीकुल और अन्नी क्षेत्रों में गड्ढे खोदना बेहद कठिन साबित हो रहा है, जिससे श्रम लागत बढ़ रही है लेकिन काम आगे नहीं बढ़ पा रहा। किसानों के अनुसार, पहले से बुक किए गए सेब के पौधे तैयार हैं, लेकिन मौसम अनुकूल न होने से रोपण संभव नहीं हो पा रहा।

बागवानों का कहना है कि सेब की खेती पूरी तरह मौसम पर निर्भर करती है। हाल के वर्षों में कभी अत्यधिक बारिश और भूस्खलन तो कभी लंबा सूखा किसानों की आमदनी को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है। मौजूदा सूखे हालात में पुराने बागानों में खाद डालना और रखरखाव भी प्रभावित हो रहा है, जिससे पौधों को पोषक तत्व नहीं मिल पा रहे। कई किसानों का कहना है कि सेब की पैदावार हर साल घट रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर लगातार दबाव बढ़ रहा है।

विशेषज्ञ इस स्थिति को पहाड़ी इलाकों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जोड़ रहे हैं। किसान सरकार से राहत की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगों में बागवानी के लिए वैकल्पिक सिंचाई व्यवस्था, बागानों में काम के लिए रोजगार योजनाओं का सहयोग और नुकसान की त्वरित भरपाई शामिल है।

पुलिस और हिस्ट्रीशीटर के बीच मुठभेड़; बदमाश घायल, सीआईए इंचार्ज की जान बुलेटप्रूफ जैकेट से बची

समर न्यूज़ | नारनौल

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में शनिवार सुबह पुलिस और एक हिस्ट्रीशीटर के बीच आमने-सामने की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर के पैर में गोली लगी, जबकि जवाबी फायरिंग में सीआईए इंचार्ज की छाती में भी गोली लगी। हालांकि, उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी, जिससे उनकी जान बच गई। उन्हें चोटें आने के बाद उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल और उसके एक अन्य साथी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा आरोपी राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध हथियार भी बरामद

पुलिस जांच करके निकलती हुई। - समर न्यूज़

किए हैं, जिनमें एक देसी कट्टा और कारतूस शामिल हैं। यह मुठभेड़ नारनौल रेलवे स्टेशन के पास बड़े बाग इलाके की एक गली में हुई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ दिन पहले मोहल्ला सलामपुरा में हुई फायरिंग का मुख्य आरोपी शिवदयाल ट्रेन से यात्रा कर रहा है। बताया गया कि वह फुलेरा की ओर से ट्रेन में सवार होकर नारनौल आ रहा था और उसके साथ एक अन्य बदमाश भी मौजूद था। सूचना के आधार पर सीआईए पुलिस की टीम पहले से ही रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में तैनात थी।

पुलिस के अनुसार, दोनों बदमाश रेलवे स्टेशन से पहले ही ट्रेन से उतर गए और वहां से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने जब उन्हें घेरकर पकड़ने का प्रयास किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में शिवदयाल के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसी दौरान सीआईए इंचार्ज को भी गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने बताया कि शिवदयाल वही आरोपी है, जिसने कुछ दिन पहले सलामपुरा मोहल्ले में थार गाड़ी से उतरकर बोलेरो सवार पर फायरिंग की थी। उस घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक नेटवर्क, हथियारों की सप्लाई और अन्य वारदातों से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है। मामले की जांच जारी है।

सुल्तानपुर और जुरोला में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

समर न्यूज़ | गुरुग्राम

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग (डीटीपीई) ने फरुखनगर शहरी क्षेत्र में दो अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। शुक्रवार को पुलिस थाना फरुखनगर की सहायता से यह अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस कार्रवाई के तहत सुल्तानपुर और जुरोला गांवों में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। इनमें से एक कॉलोनी लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्र में फैली थी, जबकि दूसरी कॉलोनी लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में थी। विभागीय टीम ने मौके पर बने कुल 12 डीपीसी, छह चारदीवारी और कॉलोनियों में निर्मित कच्चे सड़क नेटवर्क को भी नष्ट कर दिया।

डीटीपीई अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई संबंधित राजस्व रिकॉर्ड और प्रचलित शहरी योजना नियमों के अनुसार की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति निर्माण कार्यों के खिलाफ

अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई करती हुई डीटीपीई की टीम। - समर न्यूज़

सख्त कार्रवाई भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी। इन्फोर्समेंट टीम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अवैध कॉलोनियों में निवेश न करें और केवल वैध अनुमति प्राप्त परियोजनाओं में ही निवेश करें। अधिकारियों का कहना है कि अवैध निर्माण में निवेश करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संपत्ति की जब्ती और जुर्माना भी शामिल है। डीटीपीई की यह कार्रवाई क्षेत्र में शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे के संरक्षण के लिए अहम मानी जा रही है। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शहर का विकास नियमों और योजनाबद्ध ढांचे के अनुसार ही हो, ताकि भविष्य में अवैध निर्माण और अराजक विस्तार को रोका जा सके। इस अभियान के दौरान पुलिस और विभागीय अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया, ताकि कार्रवाई में किसी प्रकार की दुर्घटना या विवाद की स्थिति न बने। अधिकारियों ने कहा कि आगे भी ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि शहरी क्षेत्र का विकास कानूनी और नियंत्रित तरीके से सुनिश्चित किया जा सके।

कार चालक ने पुलिसकर्मी को बोनट पर घसीटा

हिसार आईजी ऑफिस के सामने हैरान करने वाली वारदात आई सामने, वीडियो वायरल

समर न्यूज़ | हिसार

आईजी कार्यालय के सामने हुई एक बेहद खतरनाक और सनसनीखेज घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक कार चालक पुलिस के इशारे को नजरअंदाज करते हुए न सिर्फ वाहन रोकने से इनकार करता दिख रहा है, बल्कि एक पुलिसकर्मी को कार के बोनट पर चढ़ाकर तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ा ले जाता है। यह घटना कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करने के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा कर रही है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 14 जनवरी की रात करीब 9:30 बजे की है। आईजी चौक पर तैनात डायल-112 की पुलिस टीम ने एक स्कॉर्पियो कार को रुकने का संकेत दिया था। कार की छत पर

कार चालक पुलिसकर्मी को बोनट पर घसीटता हुआ। - समर न्यूज़

कुछ युवक बैठे हुए थे, जो नियमों का खुला उल्लंघन कर रहे थे। जब पुलिसकर्मी ने उन्हें रोकने के लिए कार के बोनट पर चढ़कर छत की ओर हाथ बढ़ाया, तो चालक ने ब्रेक लगाने के बजाय अचानक गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि पुलिसकर्मी खुद को संभालते हुए वाहन रोकने का प्रयास करता है, लेकिन चालक लापरवाही और दुस्साहस दिखाते हुए उसे बोनट पर ही लेकर कुछ दूरी तक दौड़ता रहा। यह दृश्य न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि पुलिसकर्मी की जान को भी गंभीर खतरे में डालने वाला था। बताया जा रहा है कि कुछ दूरी तय करने के बाद युवकों ने पुलिसकर्मी को नीचे उतार दिया।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले का तुरंत संज्ञान लिया। पुलिस प्रवक्ता विकास ने बताया कि वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की हरकतें कानून के प्रति घोर अवहेलना हैं और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह भी देखा जा रहा है कि युवकों ने इससे पहले भी इस तरह की लापरवाही की है या नहीं। घटना ने शहर में सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

घने कोहरे में NH-44 पर भीषण हादसा, बस-ट्रक टक्कर में 8 घायल

ट्रक-बस और कारें आपस में टकराईं

समर न्यूज़ | करनाल

शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। करनाल से पानीपत की ओर जा रहे वाहनों की कतार में अचानक ब्रेक लगने से लिबर्टी कंपनी की कर्मचारियों से भरी बस समेत कई वाहन आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में बस चालक और एक महिला कर्मचारी की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि कुल आठ लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा कुटेल गांव के पास उस समय हुआ जब एक ट्रक करनाल से पानीपत की ओर जा रहा था। कोहरा बेहद घना होने के कारण दृश्यता काफी कम थी। इसी दौरान ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। ट्रक के ठीक पीछे चल रही लिबर्टी कंपनी की बस समय रहते रुक नहीं सकी और ट्रक से जा टकराई। बस के पीछे आ रही चार से पांच कारें

सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त बस। - समर न्यूज़

भी एक-दूसरे से टकरा गईं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसा इतना भीषण था कि बस और कारों को भारी नुकसान पहुंचा। बस में सवार 10 से 12 कर्मचारियों में से चालक समेत आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल करनाल के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, बस चालक और एक महिला कर्मचारी की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद निगरानी में रखा गया है। कारों में सवार कुछ लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं।

दुर्घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। जाम के चलते कई घंटों तक सर्विस लेन से वाहनों की आवाजाही धीमी रही। मधुबन थाना प्रभारी गौरव पुनिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह घना कोहरा सामने आई है।

नशे में धुत दरोगा पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप

समर न्यूज़ | जींद

जिले में टेनरी मोड़ चौकी इंचार्ज एएसआई यशवीर पर एक महिला ने नशे में घर में घुसकर छेड़खानी करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता शनिवार को एसपी कार्यालय पहुंची, जहां से उसे सदर थाने भेज दिया गया। महिला ने शिकायत में बताया कि 16 जनवरी की रात वह अपनी बहन और बच्चों के साथ घर पर थी। देर रात एएसआई यशवीर नशे की हालत में वहां पहुंचे और जबरन घर में घुस गए।

आरोप है कि उन्होंने महिला से अश्लील हरकतें कीं और उसकी बेटी से गाली-गलौज की। सूचना पर डायल 112 बुलाई गई, जिसके बाद आरोपी फरार हो गया। एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि आरोपी दरोगा को लाइन हाजिर कर जांच के आदेश दिए गए हैं।

बंद मकान से लाखों रुपये के जेवरात चोरी

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

रेवाड़ी के नंदरामपुर बास गांव में चोरों ने एक खेत में बने बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के स्वर्ण आभूषण चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मकान मालिक रविकांत ने दी, जो अपने परिवार के साथ रोहतक में रहते हैं। मालिक के अनुसार, उन्होंने 16 जनवरी को अपने खेत में बने मकान का निरीक्षण किया। जब वह पहुंचे, तो देखा कि मकान के ताले तोड़ दिए गए थे और घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी के ताले तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए। धारूहेड़ा थाना पुलिस को घटना की सूचना तुरंत दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और चोरी का एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चोरों की पहचान और उनके ठिकाने का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इस दौरान

कमरे में बिखरा सामान। - समर न्यूज़

पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की भी निगरानी शुरू कर दी है। अधिकारी लोगों से अपील कर रहे हैं कि यदि किसी ने कोई संदिग्ध व्यक्ति या वाहन देखा है, तो तुरंत सूचना दें।

घटना ने ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अधिकारी यह भी बता रहे हैं कि खेतों और खाली मकानों की निगरानी बढ़ाने के लिए स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, आसपास के गवाहों और संदिग्धों की जानकारी एकत्र की जाएगी ताकि चोरों को जल्द से जल्द पकड़कर जेवरात बरामद किए जा सकें। यह चोरी की वारदात क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई कई घटनाओं में से एक है, जिसने ग्रामीणों में सुरक्षा और सतर्कता की चेतावनी दे दी है।

बीसरु गांव से 900 किलो प्रतिबंधित विस्फोटक बरामद

समर न्यूज़ | नूंह

पुलिस ने एक बड़े सुरक्षा अभियान के तहत बीसरु गांव से 900 किलो प्रतिबंधित विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह विस्फोटक बीपीएल कॉलोनी के पास खेतों में बने एक टीन शेड में छिपाया गया था। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद तीन युवक, जिनकी पहचान ईसा, इस्राइल और जुल्ली के रूप में हुई है, फरार हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूचना के आधार पर गठित रेड टीम ने टीन शेड तक पहुंचने पर तीनों आरोपित खेतों की ओर भाग खड़े हुए। अधिकारियों ने शेड की तलाशी ली, जिसमें 18 प्लास्टिक के कट्टे मिले, जिनमें हल्के पीले रंग की विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी। प्रत्येक कट्टे का वजन करीब 50 किलो था, जिससे कुल 900 किलो विस्फोटक जब्त किया गया।

यह विस्फोटक अवैध रूप से पटाखों और बारूद के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला था। स्थानीय पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी पहले से ही अवैध गतिविधियों में संलिप्त थे और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही थी। फरार आरोपियों के खिलाफ बिछौ थाना पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सीन ऑफ क्राइम टीम भी मौके पर मौजूद है और सभी सबूतों की जांच की जा रही है। पुलिस ने विस्फोटक सामग्री का नमूना परीक्षण के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। इस जब्ती से क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने और अवैध विस्फोटक कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

गणतंत्र दिवस को लेकर हाई अलर्ट पर पुलिस

समर न्यूज़ | रोहतक

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर रोहतक पुलिस ने जिलेभर में हाई अलर्ट जारी करते हुए विशेष सुरक्षा अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत होटल, ढाबे, धर्मशालाओं और अन्य ठहरने के स्थानों पर गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने संचालकों को निर्देश दिए हैं कि सभी आगंतुकों की पहचान पत्र जांच कर उनका नाम, पता और संपर्क विवरण रजिस्टर में दर्ज करें। बिना आईडी सत्यापन के कमरे देने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। थाना व चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में सर्चिंग और काम्बिंग अभियान चलाए जा रहे हैं, संदिग्धों से पूछताछ कर जानकारी सत्यापित की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या वाहन की सूचना तुरंत डायल 112 या नजदीकी थाना को दें। यह अभियान गणतंत्र दिवस तक जारी रहेगा।

पुलिस मुठभेड़ में भाजपा प्रवक्ता का भाई और एएसआई घायल

समर न्यूज़ | झज्जर

झज्जर जिले में एक गंभीर मुठभेड़ सामने आई, जिसमें पुलिस टीम और एक बदमाश के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस दौरान भाजपा प्रवक्ता के भाई पंकज को पैर में गोली लगी, जबकि पुलिस के एएसआई प्रवीण भी घायल हुए। घटना ने जिले में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार, झज्जर पुलिस ने संदिग्धों को घेरने का प्रयास किया, तभी बदमाशों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे पंकज और एएसआई प्रवीण घायल हो गए। दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है और चिकित्सकों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। घटना के तुरंत बाद अंबाला रेंज के आईजी पंकज नैन और एसपी अंबाला मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल और आसपास के होटल का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान एसीपी झज्जर भी उनके साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों का अवलोकन किया ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जा सके। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। आईजी पंकज नैन ने पत्रकारों को बताया कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और जांच में पुलिस का सहयोग करें। यह मुठभेड़ झज्जर जिले में कानून-व्यवस्था की संवेदनशील स्थिति को उजागर करती है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सभी संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी रहेगी और सुरक्षा बल पूरी सतर्कता के साथ इलाके में तैनात रहेंगे।

उपलब्धि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में सम्मानित किए जाने वाले छह किसानों में यशपाल खोला का नाम हुआ शामिल

रेवाड़ी के किसान यशपाल खोला बनेंगे राष्ट्रपति भवन के अतिथि

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

जिले के गांव कंवाली के प्रगतिशील किसान यशपाल खोला के लिए यह गर्व और सम्मान का क्षण है। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में सम्मानित किए जाने वाले छह किसानों में यशपाल खोला का नाम भी शामिल किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से उन्हें आधिकारिक निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है, जिसके तहत वे तीन दिन तक राष्ट्रपति भवन के अतिथि रहेंगे। यशपाल खोला 25 जनवरी को अपनी पत्नी अनीता कुमारी के साथ दिल्ली के लिए रवाना होंगे और 28 जनवरी को वापस लौटेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए किसानों को पहले आईसीएआर, दिल्ली तक स्वयं पहुंचना होगा, इसके बाद राष्ट्रपति भवन तक ले जाने और वहां ठहरने की पूरी व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। प्रशासन के अनुसार, यशपाल खोला ने न केवल स्वयं प्राकृतिक खेती को

किसान यशपाल खोला। - समर न्यूज़

अपनाया, बल्कि बड़े स्तर पर अन्य किसानों को भी इससे जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने वर्ष 2014 में प्राकृतिक खेती की शुरुआत की थी, लेकिन वर्ष 2018 में पिता के कैंसर से निधन के बाद पूरी तरह से रासायनिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती को ही जीवन का लक्ष्य बना लिया। यशपाल ने विभिन्न कृषि संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर अपने खेतों के साथ-साथ आसपास के किसानों के खेतों में भी प्राकृतिक खेती को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया। उन्होंने प्राकृतिक उत्पादों की रिटेल मार्केटिंग का एक प्रभावी मॉडल विकसित किया, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने लगा और उपभोक्ताओं तक शुद्ध व सुरक्षित खाद्यान्न पहुंच सका। आज उनका मॉडल कई किसानों के लिए प्रेरणा बन चुका है। यशपाल खोला का कार्य केवल खेती तक सीमित नहीं है। उनके प्रयासों से मिट्टी और कृषि भूमि का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है, किसानों की आय में वृद्धि हुई है और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आमजन के स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचा है। प्रशासन और समाज उनके कार्य को राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सशक्त पहल के रूप में देख रहा है। निमंत्रण पत्र सौंपने के दौरान डाक विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। सम्मान मिलने पर यशपाल खोला ने कहा, "देश की प्रथम नागरिक से निमंत्रण मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। राष्ट्रपति भवन में तीन दिन ठहरने का अवसर मुझे और बेहतर करने की प्रेरणा देगा और अन्य किसान भी प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए उत्साहित होंगे। यशपाल खोला अरावली किसान क्लब के प्रधान हैं, एचएयू से डिप्लोमाधारी हैं और किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं।

जी राम जी में भाजपा ने दूर किया भ्रष्टाचार: कंवरपाल

समर न्यूज़ | अंबाला

कांग्रेस द्वारा मनरेगा को लेकर सरकार पर लगातार हमले किए जाने के बीच हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने अंबाला में प्रेस वार्ता कर विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना तथ्य के केवल विरोध की राजनीति कर रही है, जबकि भाजपा सरकार ने मनरेगा अब जी राम जी में मौजूद खामियों और भ्रष्टाचार को दूर कर इसे अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया है।

अंबाला दौरे के दौरान कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है कि जी राम जी कोई नई योजना है, जबकि हकीकत यह है कि इस योजना की नींव पहले ही भाजपा सरकार के कार्यकाल में रखी गई थी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस खुद भी इस योजना में बदलाव की जरूरत मानती रही है, लेकिन जब भाजपा ने सुधार किए तो वही कांग्रेस विरोध

शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर जानकारी देते हुए। - समर न्यूज़

पर उतर आई।

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि पहले इस योजना में कई तकनीकी खामियां थीं और भ्रष्टाचार की शिकायतें भी सामने आती थीं। भाजपा सरकार ने इन सभी कमियों को दूर कर व्यवस्था को मजबूत किया है। अब यह सुनिश्चित किया गया है कि कौन-सा कार्य होगा, इसका फैसला ग्राम पंचायतें स्वयं करेंगी, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्य संभव हो सकेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब मजदूरों की मजदूरी सीधे उनके बैंक खातों में जाएगी, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि यह बदलाव गरीब और ग्रामीण मजदूरों के हित में किया गया है।

कांग्रेस के विरोध पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष इस कानून में कोई ठोस कमी नहीं गिना पा रहा है। उनका एकमात्र एजेंडा सरकार के हर फैसले का विरोध करना रह गया है। उन्होंने दावा किया कि जी राम जी में किए गए सुधारों से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी और इसका लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचेगा। इस मौके पर कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित में सुधार करती रहेगी, चाहे कांग्रेस कितना भी विरोध क्यों न करे।

झूठी गारंटियों का आरोप; भाजपा कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर सत्ता परिवर्तन का आह्वान

कानून-व्यवस्था ध्वस्त और माफिया राज हावी : जयराम

समर न्यूज | मनाली

मनाली और लाहौल विधानसभा संयुक्त मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता का नशा कांग्रेसियों के सिर चढ़कर बोल रहा है और प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कानूनगो और पटवारी पर हुए हालिया हमले की कड़ी निंदा करते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार ने दोषियों को संरक्षण दिया तो इसके परिणाम बेहद गंभीर होंगे, क्योंकि मंत्री और अधिकारी अपनी मस्ती में मस्त हैं जबकि आम जनता और सरकारी कर्मचारी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार का काम जनहित में निर्णय लेना होता है, लेकिन हिमाचल में स्थिति हास्यास्पद और चिंताजनक है। यहाँ सरकार इस बात की जांच में व्यस्त रहती है कि मुख्यमंत्री का समोसा किसने खाया या जंगली मुर्गा खाने की खबर किसने लीक की, जबकि प्रदेश में हो रहे भीषण बस हादसों, शिमला और नालागढ़ में थानों के बाहर हुए धमाकों और सरकारी कर्मचारियों पर हो रहे माफियाओं के हमलों पर सरकार मौन साधे बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का ध्यान केवल अपने 'मित्रों' को कैबिनेट रैंक बांटने और परिवार के सदस्यों को नौकरी व पेंशन के लाभ पहुंचाने तक सीमित रह गया है, जबकि प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवा हर साल एक लाख सरकारी नौकरियों की उस गारंटी के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं जो कांग्रेस ने चुनाव से पहले दी थी।

जयराम ठाकुर ने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा का विपक्ष के नाते यह दायित्व है कि वह जनहित के विरुद्ध होने वाले हर कार्य का विरोध करे और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही वर्तमान सरकार के हर गलत फैसले की बारीकी से समीक्षा की जाएगी। इस पूरे कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कुल्लू के प्रभारी बिहारी लाल शर्मा, सह प्रभारी प्रियंता शर्मा, कुल्लू से पूर्व प्रत्याशी नरोत्तम ठाकुर, प्रवक्ता अखिलेश कपूर, जिलाध्यक्ष अमित सूद, भाजपा नेत्री धनेश्वरी ठाकुर सहित मनाली के दोनों मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री और विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्हें संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने आने वाले समय में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। इससे पूर्व जयराम ठाकुर कामनाली पहुँचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

मंडी में HRTC बस पलटी, चालक गंभीर घायल

समर न्यूज | मंडी

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में शनिवार सुबह गोभड़ता से सरकाघाट जा रही एक HRTC बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में जा लुढ़क गई और पलट गई। हादसे के समय बस में कुल आठ यात्री सवार थे। इस दुर्घटना में चालक दिनेश कुमार को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अन्य यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने घायलों को बस से बाहर निकालकर निजी वाहनों की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। घायलों का इलाज सरकाघाट के अस्पताल में किया जा रहा है। डीएसपी सरकाघाट संजीव गौतम ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

सड़क हादसों की जांच होगी और रोकथाम योजना लागू

सभी जिलों में पांच "रन-ऑफ-रोड" स्थल चिह्नित करने का आदेश

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल प्रदेश में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने गंभीर कदम उठाए हैं। 2024 में प्रदेश में कुल 1920 सड़क हादसे दर्ज किए गए, जिनमें 789 लोगों की मौत हुई और 3030 घायल हुए। यह आंकड़े 2023 की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत कम हैं, जबकि मृतकों और घायलों की संख्या में क्रमशः 9 और 6 प्रतिशत की कमी देखी गई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन) आर.डी. नजीम ने अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक में यह आंकड़ा साझा किया। उन्होंने निर्देश दिए कि हर माह सड़क हादसों के कारणों का विस्तृत विश्लेषण किया जाए और इन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। बैठक में निदेशक परिवहन नीरज कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक (टीटीआर) गुरदेव शर्मा और अतिरिक्त आयुक्त सड़क सुरक्षा एस.डी. नेगी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

विशेष चिंता का विषय रन-ऑफ-रोड हादसे रहे, जिनमें 317 मामले सामने आए और 226 लोगों की जान चली गई। मृतकों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 14.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नजीम ने सभी जिलों में पांच ऐसे "रन-ऑफ-रोड" स्थल चिह्नित करने का आदेश दिया, जहां इस प्रकार की दुर्घटनाएं अधिक होती हैं। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत शराब या मादक पदार्थों के प्रभाव में वाहन चलाने, अधिक गति, गलत दिशा या वाहनों में अधिक सवारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, घायलों की मदद करने वाले व्यक्ति को 25,000 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को 50,000 रुपये और मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये सहायता प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा, कैशलेस ट्रीटमेंट योजना के अंतर्गत सात दिन तक घायलों को निःशुल्क इलाज और 1.5 लाख रुपये तक सहायता मिलेगी। नजीम ने कहा कि सड़क सुरक्षा समिति की मासिक समीक्षा सुनिश्चित होगी ताकि हर जिले में दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

चिंतपूर्णी में श्रद्धालुओं को मिलेगा बेहतर अनुभवः एसडीएम पारस

समर न्यूज | चिंतपूर्णी

एसडीएम अम्ब और चिंतपूर्णी मंदिर ट्रस्ट के सह-आयुक्त पारस अग्रवाल ने शनिवार सुबह प्रसिद्ध माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। यह उनका मंदिर में पहला दौरा था, जब उन्होंने अम्ब के एसडीएम के रूप में कार्यभार संभाला। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पारस अग्रवाल ने मंदिर तक पहुंचने वाले सभी प्रमुख मार्गों का जायजा लिया और मंदिर अधिकारियों से श्रद्धालुओं के लिए दी जा रही सुविधाओं तथा सुरक्षा, साफ-सफाई और दर्शन व्यवस्था जैसी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर माता श्री चिंतपूर्णी के दरबार में माथा टेका। पारस अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वह जल्द ही मंदिर ट्रस्ट, व्यापार मंडल और अन्य संबंधित पक्षों के साथ अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को पेश आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाएगी और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चिंतपूर्णी मंदिर के विस्तारीकरण पर प्रयास तेज किए जाएंगे ताकि भविष्य में यहां एक भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो सके। इसके साथ ही मंदिर एवं चिंतपूर्णी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पुजारियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाएगा। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पहल का उद्देश्य न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है।

विक्रमादित्य पहले अपना विभाग देखें : सीएम

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के यूपी और बिहार के अधिकारियों पर दिए गए विवादित बयान ने हलचल मचा दी है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह को पहले अपना विभाग देखना चाहिए और अपनी कार्यप्रणाली को तेज करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अन्य मंत्रियों को भी सलाह दी कि इस प्रकार की बयानबाजी से बचना चाहिए और हिमाचल प्रदेश के विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में एक चैनल से बातचीत में कहा कि देश और प्रदेश के हित में काम करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। देश के किसी भी अधिकारी का काम प्रदेश में हमारी व्यवस्था के तहत ही चलता है और बाहरी अफसरों के बयान या गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसी बातें केवल अपनी तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए कही जाती हैं और इस प्रकार की बयानबाजी से बचना ही सही रास्ता है। इस विवाद पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि नकारात्मक सोच वाले अधिकारी केवल बाहरी नहीं हैं, बल्कि प्रदेश से संबंध रखने वाले अधिकारी भी ऐसी सोच रखते हैं। उन्होंने विक्रमादित्य सिंह को काबिल मंत्री बताया और इसे परिवारिक मामला करार देते हुए कहा कि इसे कैबिनेट में लाने की आवश्यकता नहीं है। मामला तब शुरू हुआ जब सोमवार को विक्रमादित्य सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में उप्र-बिहार के अधिकारियों पर टिप्पणी की थी कि उन्हें हिमाचल प्रदेश से ज्यादा सरोकार नहीं है। मंगलवार को उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में इसे दोहराया। इस पर आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की एसोसिएशन ने नाराजगी जताई और प्रस्ताव पारित किया कि विक्रमादित्य सिंह के साथ उनकी ड्यूटी न लगाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश के विकास में सभी अधिकारियों का योगदान महत्वपूर्ण है, चाहे वह आईएएस, आईपीएस, आईएफएस हों।

हिमाचल कांग्रेस में राज्यसभा चुनाव से पहले घमासान

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल कांग्रेस में राज्यसभा चुनाव से पहले गुटबाजी तेज हो गई है। PWD मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बयान के बाद सुक्खू कैबिनेट दो-फाड़ नजर आ रही है। राजस्व मंत्री जगत नेगी, पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने भी जुबानी हमला किया। सोशल मीडिया पर 'होली लॉज' बनाम 'ओक ओवर' के रूप में विवाद उभर आया। BJP सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह बड़ा संकेत है। कांग्रेस के पास बहुमत है, लेकिन असंतोष और पिछले चुनाव अनुभव से BJP को मौका मिल सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएम से बात कर मामले को नियंत्रित करने का आश्वासन दिया।

सुक्खू की सरकार पर मंडराया संवैधानिक संकटः रणधीर

समर न्यूज | बिलासपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रणधीर शर्मा ने शनिवार को बिलासपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सुक्खू सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की कार्यशैली के कारण हिमाचल प्रदेश में गंभीर संवैधानिक संकट की स्थिति बन गई है। सरकार न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डाल रही है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा का भी उल्लंघन कर रही है। रणधीर शर्मा ने मंत्री विक्रमादित्य सिंह द्वारा आईएएस कैडर को लेकर दिएए बयान पर कड़ा एतराज जताते हुए उसे असंवैधानिक करार दिया। उन्होंने कहा कि पहले उपमुख्यमंत्री और अब कैबिनेट मंत्री द्वारा अधिकारियों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे यह साफ होता है कि सरकार के भीतर भारी गुटबाजी और अव्यवस्था का माहौल है। शर्मा ने सवाल उठाया कि या तो मंत्री अफसरों से काम लेने में असफल साबित हो रहे हैं, या फिर प्रदेश की अफसरशाही पूरी तरह बेलगाम हो चुकी है। इस पूरे घटनाक्रम पर उपमुख्यमंत्री की चुप्पी भी सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार चुनाव आयोग के कार्यों में सीधा हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने कहा कि समय पर न तो रोस्टर जारी होने दिया गया और न ही मतदाता सूचियों का प्रकाशन सुनिश्चित किया गया। चुनाव टालने के लिए डिजास्टर एक्ट का सहारा लेना पूरी तरह अलोकतांत्रिक कदम है। रणधीर शर्मा ने कहा कि 30 अप्रैल से पहले चुनाव कराने को लेकर उच्च न्यायालय के आदेशों पर की गई टिप्पणी न्यायपालिका की गरिमा के विपरीत है।

दिल्ली में CM सुक्खू ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से की मुलाकात

पहाड़ी राज्यों के लिए ई-बस छूट मांगी

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना में पहाड़ी राज्यों को विशेष छूट देने की आवश्यकता उठाई। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हिमाचल में ई-बसों का संचालन चुनौतीपूर्ण है और वर्तमान मानदंडों के तहत राज्य इसका लाभ नहीं उठा पा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के केवल शिमला शहर को शामिल किया गया है, जबकि धर्मशाला, मंडी, सोलन, पालमपुर, हमीरपुर, ऊना और बद्दी जैसे शहरी केंद्र तेजी से विकास कर रहे हैं और इन्हें भी योजना का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि इन पहाड़ी शहरों के लिए मानदंड में ढील दी जाए ताकि राज्य ग्रीन मोबिलिटी लक्ष्यों को बेहतर तरीके से पूरा कर सके।

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से 1500 डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों से बदल रही है और वर्तमान में 297 ई-बसें खरीदी जा रही हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से परिचालन व्यय मॉडल में सुधार की मांग की, जिसमें वर्तमान 22 रुपये प्रति किलोमीटर परिचालन सहायता को बढ़ाकर 52 रुपये प्रति किलोमीटर करने का अनुरोध शामिल है। इससे हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचआरटीसी) बिना हानि के ई-बस संचालन सुनिश्चित कर सकेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने बीबीएमबी से सुंदरनगर में हिमाचल प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के एकीकृत कार्यालय के लिए 47 बीघा भूमि का एनओसी जारी करने में सहयोग की भी मांग की। वर्तमान में एचपीपीसीएल के कार्यालय राज्य के विभिन्न स्थानों में फैले हुए हैं।

पीक सीजन में विदेशी सेब पर हो बैन, मंत्री गोयल से मिले सीएम

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य के सेब बागवानों के हितों को लेकर केंद्र सरकार के समक्ष जोरदार पैरवी की है। शुक्रवार शाम नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर सेब उत्पादन के पीक सीजन के दौरान आयात पर रोक लगाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने जुलाई से नवंबर तक सेब आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ आयात शुल्क को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सेब का अहम योगदान है।

प्रदेश में करीब ढाई लाख किसान और बागवान सीधे तौर पर सेब उत्पादन से जुड़े हुए हैं। राज्य के कुल फल उत्पादन में सेब की हिस्सेदारी लगभग 80 प्रतिशत है और इससे हर वर्ष करीब 4500 करोड़ रुपये की आय होती है।

चंबा में भीषण अग्निकांड

लकड़ी के मकान में लगी आग

समर न्यूज | चंबा

हिमाचल प्रदेश में अग्निकांड की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। सोलन और सिरमौर के बाद अब चंबा जिले में भी आगजनी की एक और गंभीर घटना दर्ज की गई है। चंबा जिले के सलूणी उपमंडल अंतर्गत मांझली पंचायत के कूंहड गांव में शनिवार देर रात एक रिहायशी मकान में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में मकान के अंदर रखा सारा घरेलू सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया।

जानकारी के अनुसार कूंहड गांव निवासी रमेश कुमार पुत्र चुहड़ू के चादरों और लकड़ी से बने दो कमरों के मकान में रात के समय अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा मकान इसकी चपेट में आ गया। मकान लकड़ी का होने के कारण आग पर काबू पाना बेहद मुश्किल हो गया। आग लगते ही रमेश कुमार और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें लगातार तेज होती चली गईं। इसके बाद तुरंत पंचायत प्रधान, पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया।

गनीमत यह रही कि समय रहते दमकल विभाग की कार्रवाई से पास में स्थित अन्य रिहायशी मकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हाल के दिनों में सोलन के अर्की और सिरमौर जिले में हुए अग्निकांड में कई लोगों की जान जा चुकी है, ऐसे में ग्रामीण पहले से सतर्क नजर आए। ग्राम पंचायत मांझली के प्रधान हंस राज ने बताया कि इस अग्निकांड में रमेश कुमार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे प्रशासन को सौंपा जाएगा। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बयानबाजी

तीन महीने बाद प्रदेश की एक राज्यसभा सीट खाली होने वाली है

कांग्रेस की सरफुट्टवल पर अनुराग ठाकुर का बड़ा संकेत

समर न्यूज | ऊना

पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की सियासत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी को लेकर न सिर्फ तीखी टिप्पणी की, बल्कि आगामी राज्यसभा चुनाव में "कुछ भी हो सकता है" का संकेत देकर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। अनुराग ठाकुर का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब तीन महीने बाद प्रदेश की एक राज्यसभा सीट खाली होने वाली है।

ऊना में दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति) की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल सरकार और प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच जो तनातनी सामने आ रही है, वह कांग्रेस के भीतर मौजूद विभिन्न खेमों का नतीजा है। उन्होंने इसे कांग्रेस में बिखराव का स्पष्ट संकेत बताया और दावा किया कि यह स्थिति किसी बड़े राजनीतिक कदम की ओर इशारा कर रही है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी सर फुट्टवल का असर पहले भी देखने को मिल चुका है। पिछली बार राज्यसभा चुनाव में बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था।

ऐसे में मौजूदा हालात को देखते हुए आगामी राज्यसभा चुनाव में भी अप्रत्याशित नतीजे सामने आ सकते हैं। उनके इस बयान को सीधे तौर पर कांग्रेस की एकजुटता पर सवाल के रूप में देखा जा रहा है।

इससे पहले दिशा बैठक में अनुराग ठाकुर ने ऊना जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया।

इसके अलावा अनुराग ठाकुर ने प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल की सड़कों के सुधार और निर्माण के लिए वह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर करीब 2000 करोड़ रुपये की मांग कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्गों और केंद्र सहायता प्राप्त सड़कों के रखरखाव में राज्य सरकार का खर्च भी नहीं लगता, इसके बावजूद सरकार सड़कों की हालत सुधारने में विफल रही है।

लाहौल घाटी में हिमपात

शिंकुला पर्यटक मार्ग फिलहाल बंद

समर न्यूज | मनाली

हिमाचल प्रदेश में लंबे समय के बाद मौसम ने करवट बदली है। लाहौल-स्पीति क्षेत्र में हाल ही में हुई बर्फबारी के कारण शिंकुला दर्रा पर्यटकों के लिए बंद हो गया है। रोहतांग, बारालाचा और कुंजम दर्रे में भी बर्फबारी शुरू हो गई है, जबकि लाहौल घाटी के अधिकांश हिस्सों में हल्की बर्फ की परत जम गई है।

इस मौसम परिवर्तन से किसानों और बागवानों में भी खुशी की लहर दौड़ गई है, क्योंकि लंबे समय से उन्हें बर्फ और बारिश का इंतजार था।

शिंकुला दर्रे के बंद होने के बावजूद पर्यटक दारचा और जांस्कर समदो जैसे नए स्नो प्वॉइंट का आनंद ले सकते हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पर्यटकों को इन स्थानों तक फोर बाई फोर वाहनों के माध्यम से ही जाने की अनुमति दी गई है।

लाहौल घाटी का यांगला भी अब नए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। कोकसर और सिस्सु देव आदेश के चलते फरवरी तक पर्यटकों के लिए बंद रहेंगे, इसलिए यांगला में आने वाले पर्यटक बर्फ का आनंद ले सकते हैं।

मनाली में सप्ताहांत के चलते पर्यटन गतिविधियों में तेजी आई है। अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक मनाली की ओर आ रहे हैं। होटलों में 60 से 65 प्रतिशत तक ओक्यूपेंसी दर्ज की जा रही है।

मौसम में बादल छाए होने के कारण पर्यटक रोहतांग और निकटवर्ती स्थलों पर हिमपात का अनुभव लेने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

होटल एसोसिएशन मनाली के अध्यक्ष रोशन ठाकुर ने कहा कि मौसम की बदलाव ने मनाली और लाहौल घाटी के पर्यटन स्थलों में उत्साह बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर बर्फबारी जारी रही, तो आने वाले सप्ताहांत में पर्यटन व्यवसाय में और वृद्धि होने की संभावना है।

कबड्डी खिलाड़ी राणा बलाचौरिया हत्याकांड मामल में आरोपी करण डिफाल्टर एनकाउंटर में मारा गया, दो दिन पहले हुआ था गिरफ्तार

समर न्यूज | मोहाली

कबड्डी खिलाड़ी राणा बलाचौरिया की हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपियों में शामिल करण पाठक उर्फ करण डिफाल्टर को एनकाउंटर में मार गिराया है। यह एनकाउंटर शनिवार सुबह एयरपोर्ट रोड पर हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने की कोशिश करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मोहाली पुलिस के मुताबिक, करण डिफाल्टर को दो दिन पहले ही राणा बलाचौरिया की हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था और उसे सीआईए स्टाफ के पास रखा गया था। शुक्रवार देर रात उसने अचानक सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद पुलिस उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जा रही थी। रात करीब 11:30 बजे जब पुलिस वाहन डिवाइडर पर चढ़ गया और गाड़ी रोकनी पड़ी तभी आरोपी ने मौका पाकर हथकड़ी छुड़ाई और फरार हो गया।

पूरी रात पुलिस ने उसकी तलाश की। शनिवार सुबह वह एयरपोर्ट रोड इलाके में नजर आया। जब पुलिस टीम ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने हथियार निकालकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पहले उसके पैर में गोली लगी, लेकिन जमीन पर गिरने के बाद भी वह फायरिंग करता रहा। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें आरोपी को कई गोलियां लगीं। घायल अवस्था में करण डिफाल्टर को पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे चंडीगढ़ के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मोहाली के एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल पर कि आरोपी के पास हथियार कहां से आया, एसएसपी ने कहा कि इस पहलू की जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

एनकाउंटर के बाद मौजूद पुलिस टीम। - समर न्यूज

पुलिस के अनुसार, करण डिफाल्टर एक कुख्यात अपराधी था और इससे पहले गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां की हत्या में भी उसका नाम सामने आ चुका है। वह उस मामले में भी वांछित था। एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस ने बताया कि राणा बलाचौरिया की हत्या पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी। इस हत्याकांड में करण पाठक उर्फ करण डिफाल्टर (निवासी अमृतसर), तरनदीप सिंह (निवासी बरहेवाल, लुधियाना) और आकाशदीप सिंह (निवासी तरनतारन) सीधे तौर पर शामिल थे। 15 दिसंबर 2025 को आरोपी खरड़ स्थित फ्लैट से सीधे सोहाना के कबड्डी कैंप पहुंचे थे। वहां सेल्फी लेने के बहाने राणा बलाचौरिया के पास जाकर उसके सिर में गोली मार दी गई। इस वारदात को मुख्य रूप से करण पाठक और आदित्य कपूर ने अंजाम दिया। हत्या के बाद तरनदीप सिंह आरोपियों को मोटरसाइकिल पर वहां से फरार कर ले गया। इसके बाद आरोपियों ने कई बार अपने वाहन बदले और टैक्सी के जरिए पानीपत, दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता होते हुए सिलीगुड़ी पहुंचे। पंजाब पुलिस की एजीटीएफ टीम ने पश्चिम बंगाल पुलिस, कोलकाता एसटीएफ और केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से 12 जनवरी 2026 को हावड़ा स्टेशन के पास उन्हें गिरफ्तार किया था। एसएसपी के अनुसार, हत्या से पहले राणा बलाचौरिया की पूरी रेकी की गई थी। उसकी दिनचर्या, आने-जाने के रास्तों और मुलाकातों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। यह रेकी गगन नाम के आरोपी ने की थी, जिसे पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा, आरोपियों को भागने में मदद करने वाले एक टैक्सी चालक को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से गोलियां बरामद हुई थीं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

जेल विभाग में बदलाव, प्रमोद खत्री बने डिप्टी सुपरिटेंडेंट ग्रेड-1

बुड़ैल जेल। - समर न्यूज

समर न्यूज | चंडीगढ़

बुड़ैल जेल की कमान अब प्रमोद खत्री के हाथों में होगी। अमनदीप सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद रिक्त पड़े पद पर प्रशासन की डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी की बैठक में प्रमोद खत्री को डिप्टी सुपरिटेंडेंट ग्रेड-2 से पदोन्नत कर डिप्टी सुपरिटेंडेंट ग्रेड-1 बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें बुड़ैल जेल की समग्र जिम्मेदारी सौंपी गई है। जेल विभाग के अनुसार, प्रमोद खत्री को जेल प्रशासन का व्यापक अनुभव है और उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए अनुशासन व व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संभाला है। विभाग को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में जेल की सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्था और सुधारात्मक कार्यक्रमों को और मजबूती मिलेगी।

शादी का झांसा देकर 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म

दुष्कर्म का आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

समर न्यूज | पंचकूला

सेक्टर-19 पुलिस चौकी की टीम ने एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती करने के आरोपी को मोहाली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी के रूप में हुई है, जिसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला और वर्तमान में पंचकूला में रह रहे एक पीड़ित परिवार ने सेक्टर-19 पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने जुलाई 2025 में इंस्टाग्राम के माध्यम से उनकी 17 वर्षीय बेटी से दोस्ती की थी। धीरे-धीरे आरोपी ने नाबालिग को शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसकी मेडिकल जांच कराई गई, जिसमें उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना सेक्टर-20 में पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। - समर न्यूज

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सेक्टर-19 चौकी इंचार्ज मलकीत सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस ने पीड़िता की लीगल एड (कानूनी सहायता) और सीडब्ल्यूसी (बाल कल्याण समिति) के माध्यम से काउंसलिंग सुनिश्चित की ताकि उसे मानसिक सहयोग मिल सके। तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने 16 जनवरी को मोहाली, पंजाब में छापेमारी की और आरोपी को धर दबोचा। आरोपी भी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और गिरफ्तारी के डर से ठिकाने बदल रहा था। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने कहा कि हमारी टीम ने न केवल आरोपी को गिरफ्तार किया है, बल्कि पीड़िता को काउंसलिंग और कानूनी सहायता भी प्रदान की है। हमारा लक्ष्य आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिलाना है ताकि समाज में एक कड़ा संदेश जाए।

पंजाब की क्लब डांसर की हत्या, सेक्टर-20 श्मशान घाट में मिला शव

समर न्यूज | पंचकूला

सेक्टर-20 श्मशान घाट क्षेत्र से बरामद युवती का शव पंजाब की क्लब डांसर का निकला है। मृतका की पहचान कपूरथला जिले के मोहल्ला जट्टपुरा निवासी माधरी उर्फ सिमरन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सिमरन पिछले चार वर्षों से अपने लिव-इन पार्टनर इंद्र के साथ रह रही थी और अक्तूबर 2025 से जीरकपुर में निवास कर रही थी। वह जीरकपुर के क्लबों में डांस का काम करती थी। 13 नवंबर की रात वह घर नहीं लौटी, लेकिन उसके पार्टनर ने गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई। करीब 17 दिन बाद 30 दिसंबर को पंचकूला पुलिस ने श्मशान घाट क्षेत्र से कंकालनुमा शव बरामद किया। पहचान जीरकपुर निवासी विक्की ने कराई। पुलिस ने मामले को हत्या मानते हुए जांच तेज कर दी है। जांच में नशे की लत और आर्थिक विवाद की आशंका भी सामने आई है।

एसबीआई के चीफ मैनेजर से दिनदहाड़े लूट

दो बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर 4 लाख के गहने छीने, कार पर चलाई गोली

समर न्यूज | मोहाली

जिले के जीरकपुर स्थित एयरो सिटी में शनिवार सुबह दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दो नकाबपोश बदमाशों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के चीफ मैनेजर से पिस्तौल के बल पर करीब 4 लाख रुपये के सोने के गहने लूट लिए। बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए उनकी कार पर गोली भी चलाई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

पीड़ित की पहचान एयरो सिटी के ब्लॉक-एम निवासी सुधांशु कुमार के रूप में हुई है, जो एसबीआई में चीफ मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह करीब 9 बजे वह अपनी कार से दफ्तर जा रहे थे। घर से कुछ ही दूरी पर स्लिप रोड पर घनी धुंध के बीच दो नकाबपोश युवक बुलेट मोटरसाइकिल पर आए और अचानक उनकी कार के आगे बाइक खड़ी कर रास्ता रोक लिया।

कार पर गोली के निशान। - समर न्यूज

इसके बाद दोनों युवक बाइक से उतरे और कार के पास पहुंचे। जैसे ही सुधांशु कुमार ने कार का शीशा नीचे किया, एक बदमाश ने उनका हाथ पकड़ लिया और जबरन कार के अंदर से सोने का कड़ा और चेन छीनने लगा। विरोध करने पर बदमाशों ने किसी भारी वस्तु से वार कर ड्राइवर साइड का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद पिस्तौल तानकर उनसे सोने के गहने उतरवा लिए और अंगूठियां भी छीनने का प्रयास किया।

सुधांशु कुमार के अनुसार, जान बचाने के लिए उन्होंने कार आगे बढ़ाने की कोशिश की, तो बदमाशों ने कार के अंदर की ओर पिस्तौल तानकर गोली चला दी। गोली कार के शीशे में जा लगी, लेकिन सौभाग्य से वे बाल-बाल बच गए। इसके बाद बदमाश करीब 4 लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमों ने इलाके में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान चलाया, लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग सका।

जीरकपुर थाने के जांच अधिकारी लाभ सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने गोली चलने की बात कही है, जिसकी पुष्टि की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव प्रक्रिया पर भ्रम

जसबीर सिंह बंटी ने डीसी से मांगी स्पष्टता

शगुन कश्यप | चंडीगढ़
समर न्यूज

नगर निगम चंडीगढ़ के आगामी चुनाव 29 जनवरी को आयोजित किए जाने निर्धारित हैं। सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि लेकर चुनाव प्रक्रिया पर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। एक ओर जहां प्रशासनिक अधिसूचना एवं सार्वजनिक वक्तव्यों में चुनाव हाथ खड़े करके कराने का उल्लेख है, वहीं दूसरी ओर नगर निगम सचिवालय द्वारा जारी पत्र में वन बाय वन वोटिंग व्यक्तिगत मतदान का उल्लेख किया गया है। गवर्नर द्वारा पूर्व में सार्वजनिक रूप से यह कहा गया था कि इस बार नगर निगम का चुनाव हाथ उठाकर कराया जाएगा। इसी क्रम में चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से भी मीडिया के माध्यम से यही जानकारी दी गई थी। हालांकि, हाल ही में नगर निगम के सचिव कार्यालय की ओर से जारी पत्र में रमनीक सिंह बेदी को प्रेसाइडिंग ऑफिसर नियुक्त करते हुए चुनाव प्रक्रिया वन बाय वन वोटिंग के माध्यम से कराने का उल्लेख किया गया है। एक ही चुनाव के लिए दो अलग-अलग प्रक्रियाओं के उल्लेख से निर्वाचित सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इस विषय को लेकर सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने डिप्टी कमिश्नर, चंडीगढ़ से चुनाव प्रक्रिया पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव की विधि को लेकर एकरूप और स्पष्ट आदेश जारी किए जाएं।

विधायक ने करोड़ों की लागत के विकास कार्य जनता को समर्पित किए

सारांश मेहरा | मोहाली
समर न्यूज

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा द्वारा जीरकपुर नगर काउंसिल के वार्ड नंबर 9 ढकोली स्थित गुरजीवन विहार में लगभग 1 करोड़ 25 लाख रूपये की लागत से पूर्ण कराए गए बरसाती पानी की निकासी व्यवस्था तथा सभी आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्यों का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया गया। इस अवसर पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि गुरजीवन विहार एवं आसपास के क्षेत्रों में बारिश के दौरान लंबे समय से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई थी, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु आधुनिक तकनीक से बरसाती पानी की निकासी प्रणाली विकसित की गई है, जिससे अब क्षेत्र को जलभराव से राहत मिलेगी।

जनता को संबोधित करते हुए विधायक। - समर न्यूज

उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ इलाके की सभी सड़कों का निर्माण कार्य भी पूरा किया गया है, जिससे आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

ये सभी विकास कार्य स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को ध्यान में रखते हुए पूरे किए गए हैं।

इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने विधायक कुलजीत सिंह रंधावा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से न केवल क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी बल्कि लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। विधायक ने विश्वास दिलाया कि हलके के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास और जनता की भलाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

छह साल से फरार वांछित आरोपी मंडी कोर्ट से हुआ गिरफ्तार

समर न्यूज | पंचकूला

पुलिस की पीओ स्टाफ टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। बीते करीब 6 वर्षों से पुलिस को चकमा दे रहा यह आरोपी कुल 13 मामलों में वांछित था और लगातार स्थान बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। आरोपी पर चेक बाउंस के 9 मामलों में जेल जंपर होने के आरोप हैं और इसी के संबंध में उसके विरुद्ध पिंजौर और कालका क्षेत्र में कुल 4 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी की पहचान राजू कुमार निवासी वासुदेवपुरा पिंजौर के रूप में हुई है। हालांकि मूल रूप से पंचकूला का निवासी होने के बावजूद आरोपी लंबे समय से हिमाचल प्रदेश के जिला शिमला के ग्रामीण क्षेत्र में छिपकर रह रहा था। पीओ स्टाफ टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए पूरी रणनीति के साथ जाल बिछाया। पुलिस ने पहले आरोपी की गुप्त रूप से रैकी की और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी किसी अन्य मामले में मंडी कोर्ट (हिमाचल प्रदेश) में पेश होने वाला है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम पहले से ही कोर्ट परिसर के आसपास घात लगाकर तैनात हो गई। सही समय और मौके का इंतजार करते हुए पुलिस ने 16 जनवरी को आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद देर रात ही आरोपी को थाना कालका लाया गया। आज आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों को पकड़ना पुलिस के लिए एक चुनौती होता है।

आयोजन सीजीसी यूनिवर्सिटी में एआई नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का मंच

सीजीसी यूनिवर्सिटी में भारत एआई प्री-समिट का आयोजन

रविंदर | मोहाली
समर न्यूज

सीजीसी यूनिवर्सिटी, मोहाली में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर भारत एआई समावेशी, जिम्मेदार और प्रभाव आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर तीन दिवसीय प्री-समिट कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आधिकारिक प्री-समिट था और इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। मुख्य अतिथि अमित कटारिया, सीओओ एवं को-फाउंडर, सरस एआई की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान मुख्य संबोधन, विशेषज्ञ परिचर्चा, संवाद सत्र और सहभागितापूर्ण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनका केंद्र शासन व्यवस्था, नैतिकता और वास्तविक स्तर पर एआई के उपयोग से जुड़े विषय रहे।

कार्यक्रम के दौरान सम्मानित करते हुए यूनिवर्सिटी के सदस्य। - समर न्यूज

कार्यक्रम में एआई और स्टार्टअप क्षेत्र के कई विशेषज्ञों और उद्यमियों ने भाग लिया, जिनमें तरुण मल्होत्रा संस्थापक एवं सीईओ, साइबर स्प्लंक, सूरज कुमार सीईओ, क्यूयुला नैरेटिव्स, तनदीप सांगरा संस्थापक, शी इनोवेट्स एआई, बिपनजीत सिंह संस्थापक एवं निदेशक, डिजीवाह टेक्नोसिस, जिगरजीत सिंह फाउंडर, जेडब्ल्यू इन्फोटेक, नेहा अरोड़ा सीओओ, नॉर्दर्न रीजन साइंस एंड टेक्नोलॉजी क्लस्टर, अनिल चन्ना सीटीओ, सॉफ्टविज इन्फोटेक और तनवीर सिंह सीनियर मैनेजर, स्पोकन ट्यूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे शामिल रहे। इजराइल दूतावास की प्रतिनिधि माया शेरमैन ने वर्चुअल माध्यम से अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण साझा किया। कार्यक्रम में सीजीसी छात्रों और शोधकर्ताओं ने हेल्थकेयर, साइबर सिक्योरिटी, स्मार्ट सिस्टम, शिक्षा और सस्टेनेबिलिटी से जुड़े एआई प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

सीजीसी यूनिवर्सिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर अर्श धालीवाल ने कहा कि यह आयोजन तकनीक, नैतिकता और सामाजिक प्रभाव को साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. अति प्रिये, सीईओ, इनक्यूबेशन एंड स्टार्टअप्स ने बताया कि प्री-समिट में उद्योग विशेषज्ञों और वैश्विक प्रतिनिधियों की सहभागिता यह दर्शाती है कि सहयोग के माध्यम से जिम्मेदार एआई के भविष्य को सशक्त किया जा सकता है। प्रमुख निष्कर्षों को 19से 20 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में साझा किया जाएगा। इस आयोजन ने सीजीसी यूनिवर्सिटी को अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है और जिम्मेदार एआई के क्षेत्र में नई पीढ़ी तैयार करने में योगदान दिया है।

पुलिस ने हेरोइन तस्कर को किया गिरफ्तार

समर न्यूज | मोहाली

हरियाणा सरकार के नशा मुक्त अभियान के तहत पंचकूला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एंटी नारकोटिक्स सेल ने पिंजौर क्षेत्र में झाड़ियों में दबिश देकर हेरोइन तस्कर को काबू किया, जिसके बाद उसके सप्लायर को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया। एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज ने बताया कि 14 जनवरी को गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने रामलाल उर्फ भोला (38), निवासी पिंजौर को पकड़ा, जिसके पास से 10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में उसने सप्लायर मनोज कुमार, निवासी अमृतसर का नाम उजागर किया। पुलिस ने अमृतसर में रेड कर सप्लायर को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पहले आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि सप्लायर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर है। पुलिस नशा तस्करी की पूरी सप्लाई चेन खंगाल रही है।

मोगी नंद पुलिस लाइन में योग अभ्यास, सूर्य नमस्कार के बताए गए लाभ

तीन दिवसीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम संपन्न

सूर्य नमस्कार करते हुए लोग। - समर न्यूज

समर न्यूज | पंचकूला

हरियाणा आयुष विभाग के तत्वाधान में हरियाणा योग आयोग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत शनिवार को मोगी नंद पुलिस लाइन में "सूर्य नमस्कार 2026" अभियान के तहत तीन दिवसीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर दिलीप मिश्रा की देखरेख में यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों, शिक्षण संस्थानों व अन्य विभागों में चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर आयुष योग सहायक अरुण शर्मा ने सूर्य नमस्कार के लाभ बताते हुए बताया कि सूर्य नमस्कार करने करने से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बताया कि हमारा शरीर लचीला तथा याददाश्त तेज होती है। पुलिस लाइन में वेलफेयर इंस्पेक्टर पृथ्वी सिंह, लाइन ऑफिसर हरदयाल सिंह,एएसआई रामेश्वर दास के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिल तो कश्मीर में ही बसता है'

बिग बॉस 19 फेम फरहाना ने अपनी मातृभूमि के लिए जताया अटूट प्रेम

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना ने बिग बॉस 19 में शानदार प्रदर्शन किया। फरहाना ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कश्मीर के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया।

फरहाना का कहना है कि बिग बॉस से निकलने के बाद वे अगर कहीं जाना चाहती थीं तो वह कश्मीर है, क्योंकि यह उनकी मातृभूमि है, जहां से वे जुड़ी हैं और वहीं उनका दिल बसता है।

उन्होंने कहा, "बिग बॉस से बाहर आने के बाद यह मेरी कश्मीर की पहली यात्रा है। यह अनुभव बहुत अलग और खास है। मैंने कई देशों और राज्यों की सैर की है, लेकिन मैंने अपनी टीम से साफ कह दिया था कि सबसे पहले मुझे कहीं जाना है तो वह मेरा कश्मीर ही होगा। यह मेरी मातृभूमि है, जहां से मैं जुड़ी हूं।"

अभिनेत्री ने बताया कि वह यह जानना चाहती थीं कि कश्मीर के लोग उन पर काफी गर्व करते हैं या नहीं, क्या वे उनसे प्यार करते हैं या नहीं।

फरहाना ने कहा, "मेरी टीम मुझे लगातार बताती रहती थी कि कश्मीर के लोग तुम पर बहुत गर्व करते हैं और साथ ही खूब सपोर्ट भी करते हैं। मैंने जब यह सुना तो मैं हैरान हो गई थी। घर पहुंचकर जब मैंने पूछा कि यहां क्या चल रहा है, तो सबने बताया कि लोग तुम्हें बहुत प्यार और सपोर्ट दे रहे हैं।"

इसी के साथ फरहाना ने अपने पुराने अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "मैंने बॉलीवुड में 'लैला मजनू' और 'नोटबुक' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन तब लोगों ने मुझे उतना पसंद नहीं किया था। शायद इसलिए क्योंकि मैं सिर्फ एक किरदार निभा रही थी, लेकिन इस बार बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में लोगों ने मेरा असली रूप देखा, मेरी सच्ची पहचान जानी, इसलिए उन्होंने मुझे इतना प्यार दिया।"

गर्भावस्था के दौरान पैरासिटामोल सुरक्षित

ऑटिज्म या एडीएचडी का खतरा नहीं : शोध

लुधियाना। गर्भावस्था के दौरान इस्तेमाल किए गए पैरासिटामोल से अजन्मे बच्चे में ऑटिज्म, अटेंशन-डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) और बौद्धिक विकलांगता का खतरा नहीं होता है। शनिवार को प्रकाशित एक अध्ययन में ये बात सामने आई है। यह स्टडी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस आम दर्द निवारक दवा के बारे में किए गए दावों को भी खारिज करती है।

सितंबर में ट्रंप ने एक समारोह के दौरान गर्भवती महिलाओं से अपील की थी कि वो एसिटामिनोफेन (जिसे पैरासिटामोल भी कहा जाता है और यह टायलेनॉल की मुख्य सामग्री है) के बजाय "हिम्मत से काम लेने" की कोशिश करें। पैरासिटामोल, या एसिटामिनोफेन, प्रेग्नेंसी के दौरान सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली दर्द निवारक और बुखार कम करने वाली दवा है, जिसे दर्द से राहत और बुखार कम करने के लिए दुनिया भर में पहली पसंद के तौर पर उपलब्ध कराया जाता है। इसकी सेफ्टी प्रोफाइल आमतौर पर नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं और ओपिओइड्स की तुलना में ज्यादा बेहतर है, जिससे यह प्रसूति देखभाल में पसंदीदा विकल्प बन जाता है। यह गोली डब्ल्यूएचओ की जरूरी दवाओं की लिस्ट में भी शामिल है।

43 स्टडीज पर आधारित और जर्नल द लैंसेट ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी, एंड विमेंस हेल्थ में पब्लिश हुई सिस्टमैटिक रिव्यू और मेटा-एनालिसिस ने गर्भावस्था के दौरान पैरासिटामोल के प्रयोग को सही ठहराया है।

सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स, यूके के ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की संबंधित लेखिका प्रो. अस्मा खलील ने कहा, "इस सुनियोजित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि प्रेग्नेंसी के दौरान मां द्वारा पैरासिटामोल के इस्तेमाल से बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एडीएचडी, या बौद्धिक विकलांगता का खतरा बढ़ता है। जब विश्लेषण को लंबी फॉलो-अप अध्ययन, भाई-बहनों के तुलनात्मक अध्ययन, और कम पूर्वाग्रह संबंधित अध्ययन से मिलान किया, तब भी ये नतीजे एक जैसे ही रहे।"

यूके, इटली और स्वीडन के शोधकर्ताओं ने साफ किया कि पारंपरिक ऑब्जर्वेशनल स्टडीज में पहले बताए गए संबंध पैरासिटामोल के कारण होने वाले प्रभाव के बजाय मां की बीमारी, बुखार, जेनेटिक संवेदनशीलता या पर्यावरणीय कारकों से होने वाली गड़बड़ी को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा, "पैरासिटामोल से बचने से माताओं और भ्रूणों को बिना इलाज वाले दर्द और बुखार से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि गर्भपात, समय से पहले जन्म, या जन्मजात दोष।" यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी, यूके मेडिसिन एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी, और हेल्थ कनाडा जैसी अन्य ग्लोबल रेगुलेटरी एजेंसियां भी पैरासिटामोल की सेफ्टी प्रोफाइल का समर्थन करती हैं।

'गांधी टॉक्स' में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक : अदिति राव

मुंबई। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि फिल्म में काम करने का अनुभव चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। उन्होंने फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को शानदार बताया।

किशोर पांडुरंग बेलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अदिति ने कहा कि यह उनके लिए पहली बार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। हालांकि पहले भी कई प्रोजेक्ट्स में दोनों साथ आने वाले थे, लेकिन किसी न किसी कारण से वे पूरे नहीं हो पाए।

अदिति ने बताया, "हम कुछ फिल्मों में लगभग साथ काम करने वाले थे, लेकिन हर बार कुछ न कुछ हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। यह जिंक्स टूटना ही था। मुझे खुशी है कि ये एक बहुत अलग और खास फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ पूरा हुआ।"

उन्होंने इस फिल्म को अपनी जिंदगी के सबसे अनोखे प्रोजेक्ट में से एक करार दिया। फिल्म पूरी तरह साइलेंट है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं हैं। अदिति ने कहा, "इस फिल्म में आप बस शांत रहते हैं, देखते हैं और महसूस करते हैं। बिना डायलॉग के भी भावनाएं जाहिर करनी होती हैं, यही इसकी खूबसूरती है। यह मेरे लिए जितना चुनौतीपूर्ण था, उतनी ही रोमांचक भी। अदिति हमेशा गहरे, सच्चे और अर्थपूर्ण किरदारों वाली कहानियां चुनती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का पांच साल का बच्चा आज भी जिंदा है, जो सपने देखता है, उन पर भरोसा करता है और उन्हें पूरा करने की कोशिश करता है। यही सकारात्मक सोच उन्हें सही स्क्रिप्ट्स और निर्देशकों का इंतजार करने की ताकत देती है।

उन्होंने कहा, "मुझे अच्छी स्क्रिप्ट्स अक्सर नहीं मिलतीं, लेकिन मैं उनका इंतजार करती हूं और उन निर्देशकों का भी, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं शिकायत नहीं करती, क्योंकि वो मौके आखिरकार आते ही हैं।"

फिल्म में अदिति राव हैदरी के साथ विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी।

'गांधी टॉक्स' के अलावा अदिति की एक और रोमांचक प्रोजेक्ट इम्तियाज अली की 'ओ साथी रे' है, जो एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। इसमें उनके साथ अर्जुन रामपाल और अविनाश तिवारी नजर आएंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आने वाली है और समकालीन समय में पुरानी भावनाओं वाले प्यार की कहानी कहती है।

साई ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पद के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने कोचिंग और एथलीट सपोर्ट में भारत के मानव संसाधन को मजबूत करने के लिए कई खेलों में नियमित तौर पर सहायक कोच की सीधी भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत की है। इसके तहत साई ने शुक्रवार को 26 खेलों में 323 सहायक कोच के पदों को भरने के लिए योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन मांगे। युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर लिखा, "कोई भी कोच जो सबसे ऊंचे लेवल पर आगे बढ़ना, योगदान देना और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहता है, उसके लिए साई से बेहतर कोई संस्थान नहीं है।" उन्होंने लिखा, "यह एक बेमिसाल इकोसिस्टम देता है जहां कोचिंग को स्पोर्ट्स साइंस, हाई-परफॉर्मेंस इंफ्रास्ट्रक्चर, लगातार कैपेसिटी बिल्डिंग, और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष एथलीटों के संपर्क से सपोर्ट मिलता है।"

असिस्टेंट कोच का पद कोच कैडर के ग्रुप 'बी' में एंट्री-लेवल का रोल है। सहायक कोच को अलग-अलग क्षेत्रीय केंद्रों, नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, या पूरे भारत में प्रशिक्षण केंद्रों पर नियुक्त किया जाएगा। उन्हें लेवल 6 के अनुसार सैलरी और भत्ते मिलेंगे।

साई ने जिन कैटेगरी में सहायक कोच पद के लिए आवेदन मांगे हैं, वे एथलेटिक्स (28), आर्चरी (12), बैडमिंटन (16), बास्केटबॉल (12), मुक्केबाजी (19), कैनोइंग (7), साइकिलिंग (12), फेंसिंग (11), फील्ड हॉकी (13), फुटबॉल (12), जिम्नास्टिक (12), हैंडबॉल (6), जूडो (6), कबड्डी (6), खो-खो (2), रोइंग (11), सेपक टकराव (3), निशानेबाजी (28), तैराकी (26), टेबल टेनिस (14), ताइक्वांडो (11), टेनिस (8), वॉलीबॉल (10), वेटलिफ्टिंग (10), रेसलिंग (22), और वुशु (6) हैं।

पदों की नियुक्ति में भारत सरकार की आरक्षण नीति लागू होगी। हर कैटेगरी में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण शामिल है। जरूरी योग्यता या तो साई एनएसएनआईएस, पटियाला, या किसी दूसरी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा या उसके बराबर का कोचिंग सर्टिफिकेट है। इसके अलावा, जिन कैंडिडेट ने ओलंपिक, पैरालिंपिक, एशियन गेम्स, या वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लिया है, और जिनके पास संबंधित कोचिंग सर्टिफिकेट है, वे भी सक्षम हैं।

कोच की चयन प्रक्रिया दो आधार पर होगी। पहली ऑनलाइन कंप्यूटर-आधारित लिखित परीक्षा होगी और इसके बाद एक कोचिंग दक्षता टेस्ट होगा। साई भर्ती नियमों के अनुसार, कैंडिडेट ग्रुप ए में अगले ग्रेड में प्रमोशन के लिए योग्य हैं। इसमें कोच, सीनियर कोच, मुख्य कोच और बाद में हाई-परफॉर्मेंस कोच शामिल हैं।

विराट कोहली और कुलदीप यादव भगवान महाकाल के दरबार में पहुंचे

उज्जैन। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, बाएं हाथ के करिश्माई स्पिनर कुलदीप यादव और फील्डिंग कोच टी दिलीप शनिवार को उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने पहुंचे और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। क्रिकेटर भस्म आरती में भी शामिल हुए। विराट कोहली को महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति ने सम्मानित किया। इससे पहले, शुक्रवार को, हेड कोच गौतम गंभीर और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल भी पहुंचे थे। उनके साथ बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक मौजूद थे। सभी सुबह 4:00 बजे भस्म आरती में शामिल हुए थे। आईएएनएस से बात करते हुए कुलदीप यादव ने कहा, "यह बहुत अच्छा अनुभव था, और पूरी टीम यहां आई थी। भगवान महाकाल के दर्शन करना हमेशा अच्छा लगता है। उनकी कृपा से, सब कुछ ठीक चल रहा है, और मुझे उम्मीद है कि भगवान सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी का जीवन अच्छा रहे। आज का अनुभव बहुत अच्छा रहा।"

माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी में कई सीनियर खिलाड़ियों के बिना वनडे सीरीज खेल रही न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी है। 3 वनडे मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने 11 जनवरी को वडोदरा में खेला गया सीरीज का पहला मैच 4 विकेट से जीता था। राजकोट में 14 जनवरी को खेले गए दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया था। भारतीय क्रिकेट टीम को रविवार को होलकर क्रिकेट स्टेडियम, इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे खेलना है। यह मैच निर्णायक है, इसलिए बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

केएल राहुल के नाबाद शतक के बावजूद दूसरा वनडे गंवाने वाली भारतीय टीम को तीसरे वनडे में रोहित शर्मा से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सीरीज में बेहतरीन फॉर्म में नजर आए रोहित इस सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में बड़ा स्कोर नहीं बना सके हैं। विराट कोहली भी राजकोट में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। निर्णायक मुकाबले में कप्तान गिल उनसे भी बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे।

कैल्शियम से भरपूर होती है यह शंख भस्म

शंख भस्म शरीर में वात और कफ दोषों को संतुलित करने का काम भी करती है

मोहाली। आयुर्वेद में उपचार के लिए सदियों से दुर्लभ जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल होता आया है। जड़ी-बूटियों के गुण बड़े से बड़े रोग से मुक्ति दिलाने की शक्ति रखते हैं, लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि आयुर्वेद में भस्म के जरिए भी रोगों को दूर करने का काम पहले से होता आया है। हम बात कर रहे हैं शंख भस्म की, जिसे आयुर्वेद में चमत्कारी भस्म के नाम से जाना जाता है। शंख भस्म एक आयुर्वेदिक औषधि है जिसका उपयोग एसिड रिफ्लक्स जैसी समस्याओं के उपचार में किया जाता है। इसमें अम्लरोधी गुण होते हैं जो सीने में जलन और दर्द जैसे लक्षणों से राहत प्रदान करते हैं। रसशास्त्र में शंख को शुद्ध वर्ग के अंतर्गत एक खनिज के रूप में वर्णित किया गया है। शंख भस्म आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा दैनिक अभ्यास में उपयोग की जाने वाली महत्वपूर्ण भस्मों में से एक है। शंख भस्म का उपयोग पेट से जुड़े विकारों से लेकर हड्डियों और जोड़ों के विकारों को ठीक करने में किया जाता है, लेकिन ध्यान रखने वाली बात ये है कि बिना चिकित्सक के शंख भस्म का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इसे सीधा खाया नहीं जाता है, बल्कि किसी न किसी चीज में मिक्स कर इसका सेवन किया जाता है। ये स्वाद में तीखी होती है और रोग के अनुसार इसके सेवन की मात्रा तय की जाती है।

अगर पेट की पाचन अग्नि कमजोर हो गई है, पेट में दर्द रहता है, गैस बनने की वजह से उल्टी की परेशानी या सिर में दर्द होता है, तो शंख भस्म का इस्तेमाल किया जा सकता है। शंख भस्म पाचन अग्नि को रीसेट करती है, जिससे खाना अच्छे से पचता है और पाचन की प्रक्रिया में सुधार आता है। शंख भस्म मुख्य रूप से कैल्शियम कार्बोनेट होता है। यह हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने, ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने और दांतों की मजबूती को बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में कैल्शियम की कमी है, तब भी शंख भस्म का सेवन किया जा सकता है, लेकिन गर्भवती महिलाएं सेवन से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

शंख भस्म शरीर में वात और कफ दोषों को संतुलित करने का काम भी करती है। अगर ये दोनों ही दोष शरीर में असंतुलित हैं तो कई बीमारियों का जन्म होता है। इससे पेट से लेकर स्किन से जुड़ी परेशानियां होने लगती हैं। इसके अलावा, चेहरे के मुहांसों और दाग धब्बों से छुटकारा पाने के लिए भी शंख भस्म का लेपन और सेवन कर सकते हैं।

एशिया की लोहा मंडी के रूप में प्रसिद्ध मंडी गोबिंदगढ़ बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रही

जाम में फंसकर दम तोड़ रहा मंडी गोबिंदगढ़ का कारोबार

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में स्थित मंडी गोबिंदगढ़, जिसे देश-विदेश में "स्टील सिटी" और "एशिया की लोहा मंडी" के नाम से पहचान मिली है, आज बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रही है। करोड़ों का व्यापार और सरकार को भारी भरकम राजस्व देने वाली यह मंडी आज खुद एक अलग रास्ते की मांग कर रही है। हालात ऐसे हैं कि व्यापारियों, उद्योगपतियों और ट्रांसपोर्टरों को रोजाना घंटों ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ रहा है, जिससे न सिर्फ समय और पैसा बर्बाद हो रहा है, बल्कि कारोबार पर भी सीधा असर पड़ रहा है।

कैसे पड़ी 'स्टील सिटी' की नींव-

मंडी गोबिंदगढ़ का औद्योगिक इतिहास करीब एक सदी पुराना है। 20वीं सदी की शुरुआत में नाभा रियासत के महाराजा हीरा सिंह और महाराजा प्रताप सिंह ने यहां उद्योगों को बढ़ावा देने की पहल की।

1928 में मंडी गोबिंदगढ़ को फ्री ट्रेड ज़ोन घोषित किया गया। इसके बाद यहां लोहे और स्टील की रोलिंग मिलें तेजी से स्थापित होने लगीं। देखते ही देखते यह इलाका पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गया।

1940 के बाद मंडी गोबिंदगढ़ देश के सबसे बड़े सेकेंडरी स्टील मार्केट्स में शामिल हो गया। देश-विदेश से लोहे का स्क्रैप यहां आने लगा। हजारों मजदूरों को रोजगार मिला और यह शहर "एशिया की लोहा मंडी" के नाम से मशहूर हो गया।

आज भीड़ और जाम सबसे बड़ी समस्या-

आज मंडी गोबिंदगढ़ का शहरी क्षेत्र करीब 53.4 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां देश और विदेश से स्क्रैप और रॉ मटीरियल आता है। इस मंडी में रोजाना करोड़ों रुपये का कारोबार होता है और सरकार को भी करोड़ों का राजस्व यहीं से मिलता है। इसके बावजूद मंडी तक पहुंचने के रास्ते आज भी नाकाफी हैं।

व्यापारी सुरेश बंसल, अमित नारंग, अमित सूद, सतनाम सिंह और जतिन डावर बताते हैं कि लुधियाना से मंडी गोबिंदगढ़ आने के लिए

लुधियाना से खन्ना का मंडी गोबिंदगढ़ एंट्री पॉइंट। -समर न्यूज़

खन्ना से नेशनल हाईवे का एकमात्र एंट्री पॉइंट है। लुधियाना ड्राई पोर्ट से रोजाना सैकड़ों ट्रक मंडी की ओर आते हैं। इसके अलावा अमृतसर, जालंधर और लुधियाना की कई फैक्ट्रियों और गोदामों से भारी वाहन मंडी पहुंचते हैं।

कारोबार पर सीधा असर-

व्यापारियों का कहना है कि समय पर कच्चा माल नहीं पहुंचने से प्रोडक्शन प्रभावित होता है। कई बार बाहर से आने वाले कारोबारी और ग्राहक भी जाम की वजह से मंडी आने से कतराने लगे हैं। उनका साफ कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो मंडी गोबिंदगढ़ की पहचान और प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ सकता है।

व्यापारियों की साफ मांग-

व्यापारियों और उद्योगपतियों की एक ही मांग है। नेशनल हाईवे से मंडी गोबिंदगढ़ के लिए एक अलग और सीधा रास्ता बनाया जाए।

इससे भारी वाहनों को शहर के भीतर नहीं आना पड़ेगा और ट्रैफिक का दबाव कम होगा। मंडी को उसकी जरूरत के मुताबिक इंफ्रास्ट्रक्चर मिल सकेगा।

क्या कहते हैं विधायक

मंडी गोबिंदगढ़ से विधायक गुरिंदर सिंह गैरी ने व्यापारियों की मांग को जायज बताया। उन्होंने कहा कि जब पहले यहां की प्लानिंग की गई थी, तब इसमें कई खामियां रह गईं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 2021 में यहां पुल बनाने की घोषणा भी की थी।

इसके बाद उन्होंने खुद इस मुद्दे को लेकर कई बार पत्र लिखे। विधायक के मुताबिक, नेशनल हाईवे अथॉरिटी की ओर से जवाब आया कि पुल निर्माण के लिए 300 मीटर का आवश्यक दायरा पूरा नहीं हो पा रहा। अब बिना पिलरों के पुल बनाने की योजना है।

इसके साथ ही तीन नए एंट्री पॉइंट बनाने का भी प्रस्ताव है। गुरिंदर सिंह गैरी ने कहा कि जब तक एलिवेटेड रोड नहीं बनती, तब तक मंडी गोबिंदगढ़ को पूरी राहत नहीं मिल पाएगी। फिर भी वह जनता और व्यापारियों के साथ खड़े हैं और इस दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

एक एंट्री पॉइंट, हजारों वाहन

व्यापारियों का कहना है कि जब खन्ना और मंडी गोबिंदगढ़ की ट्रैफिक एक ही एंट्री पॉइंट पर इकट्ठा होती है तो हालात बेकाबू हो जाते हैं। सुबह और शाम के समय हालात और भी खराब हो जाते हैं। फैक्ट्रियों, दफ्तरों और गोदामों तक पहुंचने में घंटों लग जाते हैं। कई बार तो कर्मचारियों और व्यापारियों को अपने ही शहर में पहुंचने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है।

ट्रांसपोर्टरों की परेशानी

ट्रांसपोर्टर सत्यम और बिट्टू राणा बताते हैं कि कई बार लुधियाना से खन्ना के लिए गाड़ियां भेजतें हैं, जितना समय लगता है, उतना ही समय खन्ना एंट्री पॉइंट से मंडी गोबिंदगढ़ पहुंचने में लग जाता है। जाम के कारण ट्रकों की डिलीवरी लेट होती है, जिससे फैक्ट्रियों का उत्पादन प्रभावित होता है। डीजल खर्च बढ़ जाता है और समय की बर्बादी अलग।

बड़ा सवाल

सवाल यही है कि जो मंडी पंजाब की अर्थव्यवस्था को दशकों से मजबूती दे रही है, सरकार को करोड़ों का राजस्व दे रही है, क्या उसे अपनी जरूरत का रास्ता भी नहीं मिल पाएगा? अब देखना यह है कि मंडी गोबिंदगढ़ को जाम से कब निजात मिलती है और "स्टील सिटी" दोबारा रफ्तार पकड़ पाती है या नहीं।

कासो ऑपरेशन के तहत पुलिस ने बरामद की 392 ग्राम हेरोइन और नशीली गोलियां

स्पेशल डीजीपी शशि प्रभा द्विवेदी और पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा की अगुवाई में 16 ड्रग हॉटस्पॉट्स पर छापेमारी

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब सरकार के "वॉर ऑन ड्रग्स" अभियान के तहत शुक्रवार को लुधियाना में स्पैशल डीजीपी पंजाब रेलवे शशि प्रभा द्विवेदी और पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने नशा तस्करों के ठिकानों और घरों पर रेड की।पूरे शहर में व्यापक स्तर पर कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन (कैसो) के तहत ये चेकिंग की गई है। पुलिस टीम ने जवाहर नगर कैंप में 50 के करीब घरों में सर्च अभियान चलाया। संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी कई।इस स्टेट-लेवल कार्रवाई का उद्देश्य नशे की तस्करी पर शिकंजा कसना और ड्रग सप्लाई नेटवर्क को पूरी तरह तोड़ना रहा। ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते स्पेशल डीजीपी जीआरपी,पंजाब शशि

स्पैशल डीजीपी पंजाब रेलवे शशि प्रभा द्विवेदी और पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा कासो ऑपरेशन के दौरान जवाहर नगर कैंप में चैकिंग दौरान। -समर न्यूज़

प्रभा द्विवेदी ने बताया कि यह ऑपरेशन पूरी तरह सुनियोजित और प्रोफेशनल रणनीति के तहत किया गया।यह कार्रवाई सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चली,इस ऑपरेशन में शहर के पहचाने गए 16 ड्रग हॉटस्पॉट्स को टारगेट किया गया,जहां लगभग 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का जायजा लिया। पुलिस कमिश्नर लुधियाना श्री स्वपन शर्मा, IPS ने बताया कि इस अभियान में कमिश्नरेट के 2 डीसीपी, 8 एडीसीपी, 16 एसीपी और सभी थानों के एसएचओ सक्रिय रूप से शामिल रहे।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 34 एफआईआर दर्ज कर 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया।साथ ही 392 ग्राम हेरोइन, 775 नशीली गोलियां, 600 ग्राम गांजा और 6 कार्टन अवैध शराब बरामद की गई।इसके अलावा, करीब 40 लोगों को वेरिफिकेशन के लिए हिरासत में लिया गया।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि इस तरह के ऑपरेशन मुख्यमंत्री पंजाब माननीय सरदार भगवंत सिंह मान और डीजीपी पंजाब श्री गौरव यादव के निर्देशों के अनुरूप लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशा-मुक्त बनाने के लिए पुलिस की यह मुहिम और तेज की जाएगी।।जिन नशा तस्करों का पुराना रिकार्ड है उसे भी खंगाला गया। उन नशा तस्करों के घर छापामारी कर चेकिंग की गई। इसी तरह जो नशा तस्कर जमानत पर आए है उनकी गतिविधियों पर भी पुलिस ने नजर रखी हुई है।" पुलिस की रेड से पहले ही नशा तस्कर अलर्ट हो जाते है। बता दें ये कोई पहला मामला नहीं है कि पुलिस ने जवाहर कैंप में चेकिंग की हो। कई बार पुलिस इन इलाकों में चेकिंग कर चुकी है, सूत्रों मुताबिक यह भी पता चला है कि पुलिस की रेड से पहले ही इलाके में सूचना पहुंच जाती है जिस कारण नशा तस्कर अलर्ट हो जाते है।

रेलवे स्टेशन के सुरक्षा प्रबंध पुख्ता है : शशि प्रभा द्विवेदी

रेलवे के सुरक्षा प्रबंधों को लेकर डीजीपी शशि प्रभा द्विवेदी ने कहा कि हमारे पास जितनी फोर्स है उसके मुताबिक ठीक काम चल रहा है।रेलवे स्टेशन अभी अंडर कंस्ट्रक्शन है इस कारण ये खुला है।जब स्टेशन पूरा बन जाएगा तो एक ही एंट्री गेट होगा और एक ही निकासी गेट होगा।"

युवक ने घर में चुन्नी से फंदा लगाकर की आत्महत्या

समर न्यूज़ | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना शहर के कोट मंगल सिंह नगर इलाके से एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां जुनेद अहमद पुत्र अल्ताफ अहमद ने अपने घर की छत के पास खिड़की से चुन्नी का फंदा लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। शव को स्थानीय लोगों ने देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक के कमरे से दो सुसाइड नोट बरामद हुए। सुसाइड नोट में सामने आया कि उसके आत्महत्या करने के पीछे उसकी पत्नी लक्ष्मी और उसके दो साथी, कृष्ण कंडा और लक्की उर्फ युवराज, का दबाव और उकसावा था। इसी आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 108, 351(2) और 3(5) के तहत आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। घटना स्थल गली नंबर-23, खुड़ीसर गुरुद्वारा साहिब के पास स्थित एक मकान की खिड़की थी, जहां से शव बाहर की ओर लटका पाया गया। पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पुष्टि की कि मृतक की मौत हो चुकी है। शव को पोस्टमार्टम और आगे की कार्रवाई के लिए सिविल अस्पताल लुधियाना की मॉर्च्युरी में सुरक्षित रखा गया। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है और मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच जारी है।

जगराओं में नहर किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

शिनाख्त न होने पर 72 घंटे तक मोर्चरी में रखा गया शव

समर न्यूज़ | जगराओं
समर न्यूज़

जगराओं में अबोहर ब्रांच की अखाड़ा नहर के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

डल्ला रोड की ओर जाने वाले रास्ते के समीप शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने तुरंत थाना सिटी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया।

प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। थाना सिटी के एएसआई रणधीर सिंह ने बताया कि मृतक के पास से कोई पहचान पत्र बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने शव को पहचान के लिए 72 घंटे तक मोर्चरी में रखने का फैसला लिया है।

पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी जांच कर रही है।

अधिकारियों ने बताया कि यदि तय समय में युवक की पहचान नहीं हो पाती है, तो नियमानुसार प्रशासन द्वारा अंतिम संस्कार किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

गुरु नानक स्टेडियम में वेटलिफ्टिंग ट्रेनिंग सेंटर का हुआ शिलान्यास

वेटलिफ्टिंग सेंटर से युवा खिलाड़ी उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होंगे

समर न्यूज़ | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना जिले के खेल जगत के लिए शुक्रवार का दिन खास और प्रेरणादायक रहा। जिले के उपायुक्त हिमांशु जैन ने गुरु नानक स्टेडियम में नवनिर्मित वेटलिफ्टिंग ट्रेनिंग सेंटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह पहल जिला प्रशासन की खेल, फिटनेस और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह प्रशिक्षण केंद्र खास तौर पर उभरते वेटलिफ्टरों के लिए विकसित किया गया है, जहां वे सुरक्षित, अनुशासित और प्रेरक वातावरण

में अभ्यास कर सकेंगे। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन और नियमित प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। कई युवा खिलाड़ियों के लिए यह केंद्र अपने सपनों को साकार करने का एक मजबूत मंच साबित होगा।

उद्घाटन के दौरान उपायुक्त हिमांशु जैन ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से संवाद करते हुए उनके समर्पण की सराहना की और उन्हें निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस बल्कि अनुशासन, खेल भावना और मजबूत व्यक्तित्व के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर सीजीओ अंबर बंदोपाध्याय, जिला खेल अधिकारी कुलदीप चुघ, गवर्नेंस एसोसिएट आदित्य कुमार यादव सहित कोच और बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी मौजूद रहे। जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी खेल अधोसंरचना को मजबूत करने और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास जारी रहेंगे।

महोत्सव महाआरती, पूजन और अमृतवाणी पाठ होंगे मुख्य आकर्षण

सिद्धि विनायक मंदिर का वार्षिक स्थापना उत्सव

लक्की भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज़

श्री सिद्धि विनायक मंदिर न्यू माया नगर, चूहड़पुर रोड ,हैबोवाल कलां में प्रातः मंदिर प्रांगण में 19 जनवरी को वार्षिक स्थापना समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। स्थापना दिवस अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया है। प्रधान रविनंदन शर्मा की अध्यक्षता में किये जा रहे वार्षिक समारोह में रविवार 18 जनवरी को सायं भगवान बप्पा की महाआरती की जाएगी व 19 जनवरी को प्रातः यजमान परिवार भगवान श्री सिद्धि विनायक जी का पूजन , भगवान शिव परिवार का पूजन करेंगे व सायं मंदिर प्रांगण में अमृतवाणी

मंदिर के स्थापना दिवस के निमंत्रण गणमान्यों को देते श्री गणेश सेवक। -समर न्यूज़

का पाठ किया जायेगा ।

मंदिर के वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री गणेश सेवकों की तरफ से गणमायों को भाव सहित निमंत्रण दिये गये जिनमें पूर्व कैबिनेट मंत्री पंजाब भारत भूषण आशु , पार्षद पुत्र गोलू वाजवा , आप सीनियर नेत्री मनीषा कपूर , विधायक पुत्र एडवोकेट एम सी एल सलाहकार गौरव बग्गा , पूर्व पार्षद मिंटू शर्मा , सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर के प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन,उपप्रधान अनुज मदान व मंदिर आचार्य विष्णु पंडित व हैबोवाल थाना प्रभारी को स्थापना दिवस के निमंत्रण दिये गये।

इस अवसर पर प्रधान रविनंदन शर्मा ने कहा कि सभी भक्तों व ट्रस्ट के सदस्यों के सहयोग से इस महा यज्ञ रूपी वार्षिक स्थापना दिवस मनाया जा रहा है व भगवान श्री सिद्धि विनायक जी के दरबार का आलौकिक श्रृंगार किया गया है।

उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस पर किसी भक्त को असुविधा न हो इसीलिए सभी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 134